हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, मंगलवार, 10 जून 2025

11 समिति का उद्देश्य नशा पीड़ितों को समाज की मुख्य धारा में लाना...

12 पुलिस कर्मियों ने की मॉक ड्रिल, परेड के बाद सीपीआर का...

खबर संक्षेप

बिजली निगम ने लगाया खुला दरबार

रतिया। बिजली निगम रतिया शहर की तरफ से आज भोजाराम धर्मशाला में एक खुला दरबार लगाया गया जिसमें लोगों की शिकायतें सुनी गई और शिकायतों का समाधान किया गया। खुला दरबार में बिजली निगम के उपमंडल अधिकारी सुनील कंबोज, कनिष्ठ अभियंता जसवंत सिंह, विजेंद्र साहू व अन्य कर्मचारी भी मौजूद थे। उप मंडल अधिकारी सुनील कंबोज ने बताया कि इस खुले दरबार के माध्यम से बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया।

आठ लाख रुपये की राशि सहित 11 जुआरी काबू

सिरसा। शहर थाना पुलिस ने गश्त के दौरान महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्यवाही करते हुए पर दबिश देते हुए 11 लोगों को काबू कर उनके कब्जा से 8 लाख 15 हजार 300 रुपए की जुआराशि बरामद की है। सब इंस्पेक्टर संदीप कुमार ने बताया कि थाना शहर सिरसा की एक पुलिस टीम गश्त के दौरान बाल्मिकी चौक क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान कार्रवाई की गई।

बाबो सा महाराज का उत्सव 12 को

सिरसा। प्राचीन श्री शनिधाम में आगामी 12 जून को बाबो सा महाराज का उत्सव, आरती एवं भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा जिसमें अराधिका मंजू बाई भाग लेगी। श्री शनिदेव मंदिर चेरीटेबल ट्रस्ट के पदाधिकारी आनंद भार्गव एवं चंद्रमोहन भृगुवंशी ने बताया कि आगामी वीरवार को मंजु बाई का सिरसा पहुंचने पर भव्य स्वागत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मंजू बाई सा बाबो सा महाराज व मंदिर परिसर में विराजमान सभी देवी देवताओं की आरती करेंगी।

शिविर में 178 मरीजों की हुई नेत्र जांच

सिरसा। श्री हनुमंत चेरिटेबल अस्पताल में नेत्र जांच व ऑपरेशन का 269वां निःशुल्क शिविर लगाया गया। मुख्य परियोजना संयोजक सुमन मित्तल ने बताया कि कैंप में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रवीण अरोड़ा, डॉ. महिप बंसल व डॉ. अंकुश शर्मा की टीम ने 178 नेत्र रोगियों की जांच की तथा मोतियाबिंद से पीड़ित 30 जरूरतमंद मरीजों का निःशुल्क ऑपरेशन के लिए चयन किया गया।

करंट लगने से युवा किसान की मौत

टोहाना। उपमंडल के गांव समैन में एक किसान की करंट लगने से मौत होने का समाचार है। मृतक की पहचान 22 वर्षीय दीपक के रूप में हुई है। वह तीन बहनों का इकलौता भाई था। घटना रविवार रात के समय हुई, जब दीपक रोजाना की तरह खेत में काम कर रहा था। अचानक करंट लगने से वह बेहोश हो गया। उसे तुरंत नागरिक अस्पताल टोहाना ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

टोहाना में मेडिकल हॉल के ताले टूटे, नकदी चोरी

रतिया। चोरों ने टोहाना में एक मेडिकल स्टोर के ताले तोडक़र वहां से हजारों की नकदी चोरी कर ली। इस बारे सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और केस दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में रजत कुमार निवासी नजदीक काली माता मंदिर, टोहाना ने कहा है कि उसकी रेलवे रोड पर रजत मेडिकोज के नाम से दुकान है। गत दिवस शाम को वह दुकान बंद करके घर आ गया था। रात को अज्ञात चोर उसकी दुकान के शट्टर का ताला तोडक़र अंदर जा घुसे और काउंटर के गल्ले में रखी 8-10 हजार रुपये की नकदी, दवाईयों की बिल बुक और उसका पैन कार्ड चोरी कर ले गए हैं।

एसपी ने देशभर की एयरपोर्ट अथॉरिटी को लिखे पत्र

विदेश भागने से रोकने के लिए क्रिकेट बुकिज सिंडीकेट पर एक्शन

क्रिकेट सटोरियों की प्रोपर्टी अटैच करेगी पुलिस, मूवेबल और नॉन मूवेबल प्रॉपर्टी की डिटेल जुटा रही

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

एसपी सिद्धांत जैन।

फतेहाबाद में नशा तस्करों की कमर तोड़ने के बाद अब एसपी सिद्धांत जैन ने क्रिकेट बुकियों की तरफ नजर टेढी कर ली है। एसपी ने क्रिकेट सट्टे के सिंडीकेट से जुड़े फतेहाबाद के 12 ऐसे लोगों की पहचान की है जोकि इस पूरे सिंडीकेट को चला रहे हैं। यह लोग पुलिस कार्रवाई से बचने के लिए देश छोड़कर न भाग सकें, इसको लेकर जिला पुलिस पूरी तैयारी में है। एसपी सिद्धांत जैन का कहना है कि देशभर के सभी इंटरनेशनल एयरपोर्ट अथॉरिटी को पत्र लिख कर इन लोगों की जानकारियां सांझी की गई है। जिला पुलिस का प्रयास है कि इनके खिलाफ लुकआऊट सर्कुलर जारी करवाया जा सके, ताकि अगर ये लोग देश छोड़कर जाने की फिराक में हो तो एयरपोर्ट पर ही धर दबोचा जा सके। बता दें कि फतेहाबाद पुलिस ने पिछले दिनों शहर की हंस मार्किट में चौबारे पर स्थित एक दुकान पर छापेमारी कर गगन नामक युवक को काबू किया था। यहां से पुलिस परत-दर-परत क्रिकेट सट्टे से जुड़े धंधे की पोल खोलने में जुट गई। अब तक पुलिस ऐसे दो मामले दर्ज कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें प्रमुख नाम प्रवीण उर्फ पीनू का है। इसके अलावा गगन कुमार, अनिल मल, पंकज कुमार और एक महिला भी गिरफ्तार हो चुकी है। पुलिस का कहना है कि इन सट्टेबाजों की प्रॉपर्टी अटैच करने की भी पुलिस ने तैयारी कर ली है। एसपी सिद्धांत जैन के अनुसार, सभी सट्टेबाजों की मूवेबल और नॉन मूवेबल प्रॉपर्टी की डिटेल ले गई है। प्रॉपर्टी अटैच करने के लिए अब पुलिस अर्जी कोर्ट में लगाएगी।

एप और पोर्टल को बंद करने के लिए गुगल को पत्र

इसके अलावा पुलिस क्रिकेट सट्टेबाजी के लिए प्रयोग की जा रही एप और पोर्टल को भी बंद करवाने के प्रयास में है। जिला पुलिस की ओर संबंधित एप/पोर्टल को बंद करवाने के लिए हॉस्टिंग कंपनी से संपर्क किया जा रहा है वहीं सर्च इंजन गुगल को भी लिखा गया है कि उक्त एप को अपनी सर्च इंजन हटाएं ताकि इस एप तक पहुंचना आसान न हो। एसपी ने बताया कि पिछले 10 दिनों के अंदर 2 एफआईआर दर्ज कर पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया, जो कि इस कारोबार में संलिप्त थे। एसपी ने बताया कि जिला पुलिस का प्रयास है कि जिले में इस काले धंधे पर रोक लगाई जाए ताकि युवा पीढ़ी इस दलदल में न फंसे। पुलिस द्वारा शुरु की गई इस कवायद के बाद सट्टा कारोबारियों में हडकंप मचा हुआ है। फतेहाबाद में क्रिकेट सट्टे के इस काले कारोबार में कई सफेदपोशों के नाम भी सामने आ रहे हैं। इनमें एक पूर्व पार्षद प्रतिनिधि पर तो फतेहाबाद के अलावा पुलिस अन्य जिलों की पुलिस द्वारा भी कार्रवाई की जा चुकी है। इसके अलावा कुछ और भी रसूखदार और सफेदपोशों लोगों के नामों की चर्चा फतेहाबाद में खूब जोरों चल रही है।

क्रिकेट सटोरियों के राजनीतिज्ञों के साथ प्रगाढ संबंध

खास बात यह है कि फतेहाबाद के कुछ खास बड़े क्रिकेट सटोरियों के राजनीतिज्ञों के साथ प्रगाढ सम्बंध रहे हैं। यह लोग किसी न किसी रूप से सत्ता से भी जुड़े रहे और चुनावों में भी जमकर पैसा बहाया है। यह क्रिकेट बुकी अपनी असलियत छिपाने के लिए स्थानीय निकाय चुनाव में जनप्रतिनिधि का भी चोला ओढ चुके हैं। दरअसल, यह लोग अपने काले धन से राजनीतिज्ञों को खरीदते हैं तो राजनेता इन्हें पूरा संरक्षण भी देते आए हैं। 'गिव एंड टेक' पॉलिसी पिछले 10 सालों से ज्यादा प्रभावी देखी जा रही है। यही वजह है कि फतेहाबाद के करीब 200 युवा क्रिकेट सट्टे से पूरी तरह बर्बाद हो चुके हैं। उनके परिवार दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर है।

नशे की तरह बुकिज की कमर तोड़े एसपी

क्रिकेट बुकिज से पीड़ित फतेहाबाद के आम नागरिकों का मानना है कि यहां के दर्जनभर बुकीज तो ऐसे हैं जिनकी प्रोपर्टी की जांच की जाए तो दूध का दूध-पानी का पानी हो जाएगा। कुछ बरस तक यह लोग गरीबी की जिंदगी जी रहे थे, आज विलासतापूर्ण जिंदगी जी रहे हैं। इनके पास लाखों की गाड़ियां हैं और ऐशो-आराम की जिंदगी जी रहे हैं। लोगों का कहना है कि अगर एसपी ने जिस तरह जिले में नशे की कमर तोडक़र रख दी है, अगर वैसे ही क्रिकेट बुकिज की कमर तोड़ते हैं तो युवाओं को उजड़ने से बचाया जा सकता है।

कालांवाली नपा चुनाव के दिन शराब की बिक्री पर रहेगा प्रतिबंध

- चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया 10 जून से शुरू होगी

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

राज्य चुनाव आयोग हरियाणा द्वारा कालांवाली नगरपालिका आम चुनाव को लेकर अधिसूचना जारी की गई है। इस अधिसूचना के अनुसार, शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए मतदान के दिन शराब बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। अधिसूचना के अनुसार कालांवाली नगर पालिका आम चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया 10 जून से शुरू होगी और 29 जून को मतदान करवाया जाएगा। यदि रिपोल नहीं हुआ तो 30 जून को सुबह 11 बजे मतगणना करवाई जाएगा। कालांवाली नगर पालिका आम चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से सफलतापूर्वक सम्पन्न करवाने के उद्दे्श्य से 29 जून को होने वाले मतदान के 48 घंटे पूर्व मतदान क्षेत्र में शुष्क दिवस(ड्राई-डे) घोषित किया जाएगा। इस दौरान शराब बेचने व परोसने पर पूर्ण पाबंदी रहेगी। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त शांतनु शर्मा ने बताया कि चुनाव को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्वक संपन्न करवाने के दृष्टिगत जिला में शराब की दुकान, होटल, रेस्तरां, क्लब, किसी अन्य संस्थान, सार्वजनिक या निजी स्थान पर शराब को बेचना व परोसना प्रतिबंधित रहेगा। उन्होंने आबकारी विभाग को निर्देश दिए कि वे मतदान क्षेत्र में पड़ने वाली सभी होटलों, रेस्तरां, शराब ठेकों व दुकानों आदि पर कड़ी निगरानी रखें, ताकि चुनाव आचार संहिता की पालना को सुनिश्चित किया जा सके।

भगत सिंह की प्रतिमा पर पत्थर फेंकने वाले को हिरासत में लिया

टोहाना। गांव समैन में शहीद-ए-आजम चौक पर स्थित भगतसिंह की प्रतिमा पर पत्थर मारने के मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया लेकिन पंचायती तौर पर माफी मांगने के बाद इस मामले में राजीनामा हो गया। बता दें कि 7 जून को रात करीब 10 बजे एक व्यक्ति ने प्रतिमा पर पत्थर फेंक दिया था। पुलिस जांच में पता चला कि आरोपी विजय का किसी ग्रामीण से झगड़ा हुआ था। विजय ने उस व्यक्ति पर पत्थर फेंका, लेकिन वह नीचे झुक गया। इस कारण पत्थर भगतसिंह की प्रतिमा को जा लगा। इस मामले में ग्रामीण सुभाष गिल की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई की। थाना प्रभारी देवीलाल के अनुसार, आरोपी को धारा 172(2) के तहत 23 घंटे के लिए हिरासत में लिया गया।

मुख्यमंत्री के आदेशों के बावजूद नहीं बन रहे हैं जाति प्रमाणपत्र

- सीईटी परीक्षा के लिए आगामी 12 जून तक आवेदन

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

प्रदेश सरकार द्वारा सीईटी परीक्षा के लिए आगामी 12 जून तक आवेदन मांगे गए हैं लेकिन पिछड़ा वर्ग तथा अनुसूचित जाति, जन जाति से जुड़े प्रार्थी अपने फार्म ही नहीं भर पा रहे हैं। हजारों की संख्या में बीसी-एससी आवेदकों के जाति प्रमाणपत्र ही नहीं बने हैं। राज्य सरकार ने सीईटी परीक्षा के लिए अप्रैल 2025 के बाद बने जाति एवं आय प्रमाणपत्र मांगे हैं। इस मामले में स्वयं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी विभागीय अधिकारियों को आदेश दिये थे कि सीईटी आवेदकों को किसी तरह की परेशानी न आए परंतु सरकार के सरल पोर्टल में प्रमाणपत्रों के लिए ऑनलाइन आवेदन करने वाले आवेदकों के प्रमाणपत्र अभी तक बने नहीं है। नोहरिया बाजार निवासी अंकिता ने बताया कि उसने बीती 28 मई को जाति प्रमाणपत्र के लिए अप्लाई किया था परंतु अभी तक उसका प्रमाणपत्र नहीं बना है जबकि पहले 24 घंटे में ही प्रमाणपत्र बन जाता था। उसने बताया कि जाति प्रमाणपत्र के लिए उसे 9 जून तक प्रमाणपत्र बनने के संबंध में ऑनलाइन जानकारी मिली थी परंतु सोमवार को भी प्रमाणपत्र नहीं बना है। अगर आवेदक बीसी-एससी के प्रमाणपत्र नहीं लगाते हैं तो जहां उन्हें दोगुणी फीस देनी होगी वहीं उनको जातिगत आरक्षण का भी लाभ नहीं मिलेगा।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष चुनाव को लेकर आज फतेहाबाद पहुंचेंगे ऑब्जर्वर

- तीन दिन नेताओं और कार्यकर्ताओं से करेंगे मंथन

हरिभूमि न्यूज ⏭टोहाना

चण्डीगढ़ में राहुल गांधी द्वारा 30 जून से पूर्व सभी जिलाध्यक्षों की नियुक्ति करने की घोषणा के बाद कांग्रेस पार्टी ने इसको लेकर प्रक्रिया तेज कर दी है। फतेहाबाद जिलाध्यक्ष के चुनाव को लेकर कांग्रेस द्वारा चल्ला वशमी चंद रेड्डी को फतेहाबाद का ऑब्जर्वर नियुक्त किया गया है। वह 10 से 12 जून तक फतेहाबाद जिले के प्रवास पर रहेंगे। उनके साथ प्रदेश के तीन ऑब्जर्वर भी पूर्व मंत्री अतर सिंह सैनी, राहुल मक्कड़ और सतवीर पहलवान भी मौजूद रहेंगे। दौरे के पहले दिन ही सिरसा लोकसभा सांसद कुमारी सैलजा पर्यवेक्षकों के साथ बैठक करेंगी। ऑब्जर्वर चल्ला वशमी चंद रेड्डी मंगलवार दोपहर को पीसीसी ऑब्जर्वर के साथ बैठक करेंगे। दोपहर एक बजे संगठन सृजन अभियान को लेकर भूना रोड स्थित फाइव एकड़ पैलेस में पत्रकारों से बातचीत करेंगे और दोपहर 2 बजे जिला स्तरीय नेताओं व कार्यकर्ताओं के साथ वार्ता करेंगे। शाम 5 बजे से वरिष्ठ नेताओं, विधायकों, पूर्व विधायकों, लोकसभा चुनावों के पूर्व प्रत्याशियों के साथ एक के बाद एक बैठक करेंगे। इसके बाद 11 जून बुधवार को प्रातः 10 बजे पीसीसी प्रतिनिधियों, कॉर्डिनेशन कमेटी के सदस्यों, जिला के नेताओं व जिला पदाधिकारियों के साथ बैठक होगी वहीं दोपहर 3 बजे जिला यूथ कांग्रेस कमेटी की बैठक लेंगे। साढ़े तीन बजे एनएसयूआई जिला कमेटी और कॉलेज प्रेजिडेंट की मीटिंग लेंगे। 4 बजे महिला कांग्रेस कमेटी की बैठक लेंगे। 5 बजे एससी, एसटी और ओबीसी सेल के पदाधिकारियों के साथ मीटिंग करेंगे, वहीं साढ़े 5 बजे जिला ओबीएस सेल के पदाधिकारियों के साथ बैठक होगी।

कुत्ते को बाहर घुमाने से रोका तो बोला हमला

- परिवार पर तेजधार हथियारों से बोला हमला

हरिभूमि न्यूज ⏭रतिया

शहर की अरोड़ा कालोनी में पिटबुल कुत्ते को घुमाने को लेकर दो परिवारों में विवाद बढ़ गया। एक परिवार के लोगों ने तेजधार हथियारों से दूसरे परिवार पर हमला कर दिया। हमले में तीन लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया गया है। इस मामले में रतिया पुलिस ने घायल युवक की शिकायत पर एक ही परिवार के पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में अरोड़ा कॉलोनी, वार्ड नं. 13, रतिया निवासी तजिंद्र कुमार ने बताया कि उसके पिता राजकुमार व

हमले में घायल व्यक्ति।

ताऊ बलजीत कुमार जन्म से बोलने व सुनने में असमर्थ है। उसके पड़ोसी होशियार सिंह ने अपने घर पर पिट-बुल नस्ल का कुत्ता पाला हुआ है। होशियार सिंह, उसके दोनों बेटे हरमन व अमनदीप हर रोज अपने पिटबुल कुत्ते को लेकर उसके मकान के सामने लाकर घुमाते हैं तथा कुत्ता वहीं उनके मकान के सामने गंदगी कर देता है। इसको लेकर उन्होंने कई बार सुझाया कि कुत्ते को बाहर खुली जगह पर घुमाया करो। तजिन्द्र ने कहा कि 7 जून को सुबह करीब 5 बजे वह, अपने पिता राजकुमार व ताऊ बलजीत कुमार के साथ प्लाट में गायों का दूध निकाल रहे थे। उसी समय हरमन पिट-बुल कुत्ता लेकर उनके प्लॉट के सामने आ गया तो कुत्ते भौंकने लगा। कुत्ते के भौंकने से उनकी गाय डर गई। इस पर राजकुमार व बलजीत ने हरमन को इशारा करके कहा कि कुत्ते को यहां से ले जाओ लेकिन हरमन ने कहा कि वह तो रोज ऐसे ही कुत्ता यहीं घुमाएंगे। इस पर विवाद बढ़ गया।

पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की

तजिन्द्र ने आरोप लगाया कि होशियार सिंह, उसके भाई राम सिंह, अमनदीप व हरमन, होशियार सिंह के साले दीपक निवासी नरवाना और दो अन्य लोगों के साथ आ गए। इन्होंने हाथों में कापा, लाठी, डंडे लिए हुए थे। आते ही एकदम उनके साथ मारपीट शुरू कर दी और कापों व डंडों से हमला कर दिया। उनके शोर मचाने पर जब आसपास के लोग इकट्ठा होने लगे तो हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। इस मामले में रतिया पुलिस ने होशियार सिंह, उसके भाई राम सिंह, लडक़ों हरमन व अमनदीप, साले दीपक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अध्यापक संघ ने नई ट्रांसफर पॉलिसी का जताया विरोध

- अतिथि अध्यापकों, एवं हरियाणा कौशल रोजगार निगम के अधीन कार्यरत शिक्षकों को भी इसमें शामिल किए जाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ जिला सिरसा कि बैठक सोमवार को हुई। बैठक में सरकार द्वारा लागू की जा रही नवीन ट्रांसफर पालिसी पर गंभीर चिंता और तीखी आलोचना व्यक्त की गई। जो पालिसी बनी है उसे संगठनों के बीच स्पष्ट किया जाना चाहिए। जो संगठनों को बुलाकर सुझाव लिए गए थे उनको कितना लागू किया गया, यह जानकारी भी सांझी होनी चाहिए। बैठक में राज्य प्रधान वीर सिंह, महासचिव देवेंद्र कुमार व विनोद कासनियां ने कहा कि यह पालिसी ऑनलाइन-ऑफलाइन प्रक्रियाओं में शिक्षकों को उलझाकर रख रही है, जबकि शिक्षकों के स्थानांतरण का मुख्य उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होना चाहिए। सरकार की वर्तमान नीति न तो बच्चों को सभी विषयों के शिक्षक उपलब्ध करवाने की गारंटी देती है, और न ही शिक्षकों को उनके आवास के निकट सुविधाजनक स्थान पर नियुक्त करने का प्रावधान करती है। बैठक में कहा गया कि 10 वर्षों पूर्व 'केप्ट पद' रखने का निर्णय यह कह कर लिया गया था कि शिक्षक संख्या कम है। लेकिन सरकारी आंकड़ों के अनुसार आज भी 15 हजार से अधिक पद रिक्त हैं, जो न केवल शिक्षा के अधिकार का हनन है, बल्कि बेरोजगार युवाओं के साथ धोखा भी है। शिक्षकों को सज़ा देने की नीति के तहत 'केप्ट पद' प्रणाली को अब भी बरकरार रखा गया है, जो निंदनीय है। संघ ने विशेष रूप से इस बात की भर्त्सना की कि मॉडल स्कूल और पीएम श्री स्कूलों को प्राथमिकता देकर बाकी स्कूलों की उपेक्षा की जा रही है। इन स्कूलों में दाखिले व मासिक फीस ली जा रही है, जो शिक्षा के अधिकार अधिनियम 2009 का उल्लंघन है। माडल व पीएम श्री स्कूलों अंग्रेजी माध्यम इनके बनने से आज तक लगभग इनके दो तिहाई बच्चों को स्कूलों से बाहर धकेल चुका हैं।

ट्रांसफर पॉलिसी को पुनः तैयार किया जाए

हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ ने सरकार से मांग की कि अतिथि अध्यापकों, एवं हरियाणा कौशल रोजगार निगम के अधीन कार्यरत शिक्षकों को भी इसमें शामिल किया जाए। ट्रांसफर पालिसी को बच्चों, शिक्षकों और शिक्षा की गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए पुनः तैयार किया जाए। ट्रांसफर प्रक्रिया को स्कूल बंदीकरण का माध्यम नहीं बनने दिया जाएगा।

विद्युत निगम के एसडीओ व जेई के खिलाफ मामला दर्ज

- खेत में गिरे बिजली के पोल से लगा करंट, अधिकारियों पर लापवाही का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

नाथूसरी चोपटा पुलिस ने गांव अरनियांवाली निवासी रविंद्र कुमार की शिकायत पर विद्युत निगम चोपटा के एसडीओ व जेई के खिलाफ मामला दर्ज किया है। रविंद्र कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि दो जून की रात्रि को आए आंधी तूफान में उनके खेत में लगा बिजली का ट्रांसफार्मर गिर गया। इस बारे में उसके पिता मनीराम ने तीन जून को बिजलीघर अरनियावाली में सूचित किया। निगम कर्मियों ने उनकी बिजली कट करने और दो-तीन दिन में नए पोल लगाने का आश्वासन दिया। रविंद्र ने बताया कि 6 जून को उसका भाई बृजमोहन व ताऊ का बेटा कपिल पुत्र रामजीलाल बिजली का पोल लेने के लिए बेगू बिजलीघर गए। वह खेत में काम कर रहा था। उसका पिता मनीराम उसके लिए खाना लेकर खेत पहुंचे। तभी वह बिजली की तारों से उलझ गए। बिजली की तारों में करंट होने के कारण वह बुरी तरह से झुलस गए। उनकी चीख-पुकार सुनकर तभी मौके पर बिजली के पोल लेकर पहुंचे ताऊ के बेटे कपिल ने अपने साफे का फंदा बनाकर उसके पिता को बिजली की तारों से दूर किया। बुरी तरह से झुलसी अवस्था में उसके पिता को पहले शाह सतनाम अस्पताल और फिर संजीवनी अस्पताल में दाखिल करवाया। यहां से उन्हें जिंदल अस्पताल हिसार रेफर कर दिया। निगम अधिकारियों ने पूरे मामले में घोर लापरवाही बरती, जिसके कारण उनकी जान पर बन आई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोपटा क्षेत्र के एसडीओ व जेई के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

समस्याओं को लेकर नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि को दिया ज्ञापन

रतिया। शहर की गुरु नानक गोशाला में शेड निर्माण, इंटरलॉक सड़क निर्माण, वाटर कूलर व अन्य समस्याओं को लेकर आज गोशाला के प्रतिनिधियों ने चेयरमैन प्रतिनिधि महेश खन्ना उर्फ कालू व उप चेयरमैन जोगिंदर नंदा को एक ज्ञापन सौंपा। गोशाला के प्रतिनिधि ने बताया कि श्री गुरु नानक गोशाला में सैकड़ो गायों को की सेवा की जाती है लेकिन इस गुरु नानक गोशाला में दो शेड की जरूरत है। साथ ही गोशाला के अंदर इंटरलॉक सड़क का निर्माण करवाया जाना जरूरी है।

तेज गर्मी व हीट वेव से बचाव के लिए जारी की एडवाइजरी

दोपहर के समय बाहर जाने से बचें : उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

जिला उपायुक्त मनदीप कौर।

उपायुक्त मनदीप कौर ने तेज गर्मी व हीट वेव के दृष्टिंगत आमजन से अपील की है कि वे इस मौसम में जरूरी सावधानी बरतें व गर्मी के प्रकोप से बचने के लिए सुरक्षात्मक उपाय अपनाएं और खासकर बच्चों का विशेष ख्याल रखें। उन्होंने कहा कि हीट वेव से शारीरिक तनाव हो सकता है और यहां तक की मनुष्य की जान जा सकती है। जान को खतरा बनने वाली हीट वेव से बचने के लिए सावधानियां बरतनी जरूरी हैं। उपायुक्त ने बताया कि नागरिक दोपहर के समय बाहर जाने से बचें। तापमान अधिक होने की स्थिति में श्रमयुक्त कार्य न करें। इसके अलावा, शरीर में पानी की कमी करने वाले चाय, कॉफी और कार्बोनेटिड शीतल पेय जैसे पदार्थों के सेवन से बचना चाहिए। उच्च प्रोटीन युक्त व बासी भोजन न खाएं।

हीट वेव से बचने के लिए क्या करें

हीट वेव से बचाव के लिए नागरिक घर पर रहें और रेडियों सुनें, स्थानीय मौसम के पूर्वानुमान और एडवाइजरी के लिए समाचार पत्र पढ़ें, टीवी देखें। प्यास न होने पर भी पानी पीते रहें। हल्के रंग के ढ़ीले व सूती कपड़े पहनें। धूप में निकलते समय सिर व मुंह के बचाव के लिए काला चश्मा, छाता, पगड़ी, दुपट्टाा, टोपी के लिए अलावा पैरों में जूते या चप्पल अवश्य पहनें। यात्रा करते समय अपने साथ पानी जरूर साथ लेकर चलें। यदि आप बाहर काम करते हैं तो एक टोपी या छतरी और अपने सिर, गर्दन, चेहरे के लिए एक नम कपड़े का उपयोग करें। घर में बने पेय पदार्थ जैसे लस्सी, नींबू पानी, छाछ आदि का उपयोग करें जो शरीर को हाइड्रेट करने में मदद करते हैं। कमजोर, चक्कर आना, सिर दर्द, दौरे जैसे हीट स्ट्रोक, हीट रैश के संकेतों को पहचाने। यदि आप बेहोश या बीमार महसूस करें तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। जानवरों को छाया में रखें और उनको पीने के लिए भरपूर पानी दें। अपने घर को ठंडा रखें।

हीट वेव में क्या ना करें

हीट वेव के दौरान बच्चों व पालतू जानवरों को अकेला न छोड़ें। धूप में बाहर जाने से बचें, खासकर दोपहर 12 बजे से तीन बजे बीच। गहरे रंग या तंग कपड़े पहनने से बचें। बाहरी तापमान अधिक होने पर कठोर मेहनत वाली गतिविधियों से बचें। अधिक गर्मी के समय खाना पकाने से बचें। खाना पकाने के क्षेत्र को पूरी तरह से हवादार बनाएं, जिसके लिए दरवाजे, खिड़कियां खोलें। शराब, चाय, कॉफी और कार्बोनेटिड शीतल पेय पीने से बचें, जो शरीर को निर्जलित करते हैं। उच्च प्रोटीन वाले बासी भोजन का सेवन न करें।

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
haribhoomi.com
हरिभूमि
रोहतक, मंगलवार
10 जून 2025
10

सहेली

फादर्स-डे, 15 जून स्पेशल

नए दौर के केयरिंग-लविंग पापा

कवर स्टोरी
नयनतारा

वह दौर गया जब परिवार में पिता की बहुत सख्त छवि हुआ करती थी। बच्चों की परवरिश पर वह ज्यादा ध्यान नहीं देते थे, यह जिम्मेदारी मां की होती थी। आज के पापा अपने बच्चों की जिम्मेदारी बहुत खूबसूरती से निभा रहे हैं। वे अपनी पारंपरिक छवि से बाहर आकर एक संवेदनशील गाइड के रूप में दिख रहे हैं। आज के पापा अपने बच्चों की भावनात्मक जरूरतों को समझते हैं। आज के केयरिंग पापा, बच्चों के करियर के प्रति भी कॉन्शस हैं। वह उनके सर्वांगीण विकास में अपना अहम योगदान दे रहे हैं।

आज के समय में पिता की पारंपरिक भूमिकाएं कुछ दशकों पहले के मुकाबले बहुत बदल गई हैं। आज के पिता अपने बच्चों के केवल पालक या उन्हें अनुशासन में रखने वाले भर नहीं, अपने बच्चों के जीवन में भावनात्मक, बौद्धिक और सामाजिक विकास में सक्रिय भूमिका निभाने वाले और मजबूत बनाने वाले मेंटर हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो आज के पिता अपने बच्चों को पाल-पोसकर बड़ा ही नहीं कर रहे, उनका व्यक्तित्व निर्माण भी कर रहे हैं।

पारंपरिक जिम्मेदारियों से बहुत आगे: कुछ दशक पहले तक जहां पिता का काम मुख्य रूप से परिवार का पालन-पोषण और उसे आर्थिक रूप से सुरक्षित करना होता था, वह काम तो आज भी पिता के जिम्मे है, लेकिन अब उनकी भूमिकाएं इस पारंपरिक जिम्मेदारी से काफी हद तक आगे बढ़ चुकी हैं। आज के पापा अपने बच्चों के स्कूल प्रोजेक्ट में हेल्प करते हैं, उनकी पढ़ाई-लिखाई का ध्यान रखते हैं, इस पर अपना जरूरी दखल देते हैं, पैरेंट्स टीचर मीटिंग में शामिल होते हैं, बच्चों के शारीरिक स्वास्थ्य से लेकर उनके मानसिक स्वास्थ्य तक की परवाह करते हैं।

एक संवेदनशील गाइड का रोल: आज के पापा अपने बच्चों के पालन-पोषण के साथ उनके सर्वांगीण विकास में अपनी महती भूमिका निभा रहे हैं। इस वर्ष 15 जून को मनाए जाने वाले फादर्स-डे की इस साल की थीम भी कमोबेश यही है। इस साल की थीम, 'फादर्स: नर्चरिंग रिलेशन एंड टैपिंग फ्यूचर' यानी बच्चों का लचीलेपन के साथ पोषण करते हुए उनके भविष्य को आकार देना है। अगर कहा जाए कि इस थीम को भारत के

महानगरों में ही नहीं बल्कि छोटे और मझोले शहरों में भी पहले से ही, आज के पापाओं ने अपना लिया है, तो इसमें कोई दो राय नहीं होगी। मसलन, आज के पिता पारंपरिक पिताओं की तरह घर में अनुशासन सिखाने वाले वट वृक्ष नहीं हैं, उनकी भूमिका एक संवेदनशील गाइड के रूप में उभर रही है। जबकि कुछ दशक पहले तक हमारे पारंपरिक पिता कठोर अनुशासन के प्रतीक हुआ करते थे। आज के पापा अपने बच्चों की भावनाओं को सुनते हैं, उनसे खुले रूप में संवाद करते हैं और उनकी पसंद-नापसंद पर ध्यान देते हैं। इन सबके साथ ही आज के पापा बच्चों की भौतिक के साथ-साथ भावनात्मक जरूरतों को भी समझते हैं।

घरेलू कामों में सक्रिय भागीदारी

बीते दौर में पिता अपनी भूमिकाओं को घर के बाहर के कामों तक ही सीमित रखते थे, जबकि आज के पिता घरेलू कामों में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वे खाना बना रहे हैं, बच्चों को मांओं की तरह लिखा-पढ़ा रहे हैं, उन्हें स्कूल जाने के लिए तैयार कर रहे हैं, कई बार स्कूल छोड़ने और लाने भी जाते हैं। आज के पापा ये काम हंसी-खुशी कर रहे हैं। इतना ही नहीं, आज के दौर के पापा घर के किसी विशेष आयोजन में साफ-सफाई से लेकर किचन तक की भूमिकाओं में सहयोग करने को तत्पर रहते हैं। अब पापा पहले जैसे घर के बाहर ही काम करने वाले नहीं रहे।

बच्चों के करियर के प्रति कॉन्शस: आज के पापा बच्चों के करियर पर भी ध्यान देते हैं, उनकी पसंद-नापसंद यानी उनकी हॉबी को विकसित करने में, उनमें उसे विशेष पारंगत बनाने में भी जो संभव भूमिका होती है, उसे निभाते हैं। यही नहीं वे बच्चों की आत्मनिर्भरता को गंभीरता से लेते हैं। पहले के पिता बच्चों पर अकसर अपने सपने थोप देते थे, जबकि आज के पिता अपने बच्चों के सपनों को महत्व देते हैं। अगर उनके बच्चे पारंपरिक करियर से हटकर किसी ऐसे करियर में रुचि दर्शाते हैं, जो अभी तक बहुत सफल और स्पष्ट नहीं, तो आज के पिता उनके इस जोखिम पर भी साथ खड़े होने की हिम्मत दिखाते हैं।

नई तकनीक सीखने में कोई हिचक नहीं: आज के पापा अब डिजिटल दुनिया में बच्चों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने की कोशिश करते हैं। जबकि कुछ दशक पहले तक बच्चे और उनके पिता तकनीक के मामले में अलग-अलग दौर में जीते थे। कुछ दशक पहले तक पिता बड़ी आसानी से यह बात स्वीकार कर लेते थे कि नए जमाने की तकनीक से उनका क्या लेना-देना है? यह बच्चों की जरूरत है, उन्हें ही इसकी जानकारी रखनी चाहिए। जबकि आज के पापा न सिर्फ नए जमाने की तकनीक पर दिलचस्पी लेते हैं बल्कि वे इस पर दक्षता भी हासिल करते हैं ताकि अपने बच्चों को भी इसमें दक्ष बना सकें या उनके साथ उनके स्तर पर बर्ताव कर सकें। यही कारण है कि सोशल मीडिया, गेम्स और इंटरनेट से जुड़ी आज की अभिरुचियां बच्चों और उनके पापाओं में किसी हद तक साझी हो चली हैं। आज के पापा अपने बच्चों को रिस्पॉन्सिबल डिजिटल सिटीजन बनने में उनकी अपनी गाइडेंस देते हैं।

को-पैरेंटिंग में यकीन: आज के पिता पालन-पोषण को सिर्फ बच्चों की मांओं की जिम्मेदारी नहीं समझते बल्कि को-पैरेंटिंग के विचार पर यकीन रखते हैं। इसलिए आज माता-पिता दोनों मिलकर बच्चों की जिम्मेदारी उठाते हैं। यही कारण है कि पिता अब समान रूप से एक जिम्मेदार अभिभावक बन चुके हैं। विशेष रूप से सिंगल फादर या स्टे एट होम डैड की संज्ञा दिनों दिन बढ़ रही है। इसलिए माना जाता है कि भारत में पिता की भूमिकाएं कुछ दशक पहले तक के पिता की भूमिकाओं से काफी हद तक बदल गई हैं।

पापा और बच्चे दोनों जाहिर कर रहे हैं अपनी फीलिंग्स: भारत में पिताओं के स्वभाव और उनकी इस सोच में परिवर्तन लाने में किसी हद तक फादर्स-डे की भी अपनी भूमिका है। हालांकि पश्चिम की तरह भारत में फादर्स-डे कोई त्योहार नहीं है, लेकिन यह मानने में कतई गुरेज नहीं करना चाहिए कि आज के शहरी भारत में फादर्स-डे जैसे स्पेशल डे की अपनी एक संवेदनशीलता है। यही वजह है कि हमारी पारंपरिक संस्कृति में फादर्स-डे न होते हुए भी आज के भारत में यह बड़ी तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। बच्चे आजकल फादर्स-डे का बड़े उत्साह के साथ इंतजार करते हैं। हमारे देश के बच्चे भी पश्चिमी देशों के बच्चों की तरह अपने पापाओं को इस दिन कार्ड देते हैं, उन्हें व्यक्तिगत रूप से संदेश देते हैं, शुभकामनाएं देते हैं और पापाओं के प्रति अपने प्रेम-स्नेह को प्रकट करते हैं। जबकि पहले हमारे यहां का चलन यह था कि न तो पिता, इस बात को जाहिर होने देते थे कि वे अपने बच्चों को बहुत प्यार करते हैं और न ही बच्चे सार्वजनिक रूप से यह दिखाते थे कि वे अपने पिता का बहुत आदर-सम्मान करते हैं।

फादर्स-डे की उपयोगिता: पिछले एक-दो दशक में सिर्फ शहरी भारत की लाइफस्टाइल ही तेजी से नहीं बदली, बल्कि समग्रता में बहुत-सी नई और अनुकरणीय पश्चिमी बातों को भी हमारा शहरी समाज खुले दिल से स्वीकार कर रहा है। यही कारण है कि अब फादर्स-डे एक सम्माननीय दिन बन चुका है और यह हमारे बच्चों के समग्र विकास के लिए बहुत लाभकारी भी साबित हुआ है।

बहुत अनमोल होता है, पिता-बेटी का रिश्ता। जहां बेटी के लिए पिता शीतल छाया, उसके जीने की राह होते हैं, वहीं लाडली बेटियां भी अपने पिता की मुस्कान, अभिमान होती हैं। पिता के लिए बेटियां ईश्वर की सबसे बड़ी नियामत, उनके जीवन की सुगंध होती हैं। पिता-बेटी के प्यारे-सलोने रिश्ते को रेखांकित करता आलेख।

बहुत प्यारा-न्यारा होता है पिता-बेटी का रिश्ता

भीने-मीठे एहसास
श्रुति आयंगर

बहुत प्यारा, बहुत न्यारा होता है पिता-बेटी का रिश्ता, जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता, बस एहसास किया जा सकता है। जब पहली बार नन्ही-सी परी अपने पिता की गोद में आती है, तो एक नासमझ-सा युवा अचानक बहुत समझदार-जिम्मेदार हो जाता है। जब वह अपनी नन्ही बिटिया को गोद में लेता है तो उसे इस बात का बोध होता है, जिंदगी के हर मोड़ पर उसे अपनी गुड़िया के साथ खड़े रहना है, साथ निभाना है। उसकी हर खुशी का ख्याल रखना है। हर लड़की अपने पापा की प्यारी-प्रिंसेस होती है। पिता-बेटी के अनमोल रिश्तों के एक नहीं कई पहलू हैं।

बहुत अलग है केमिस्ट्री-बॉन्डिंग: पिता-बेटी के बीच ऐसी खूबसूरत केमिस्ट्री-बॉन्डिंग होती है, जिसे और कोई नहीं समझ सकता है, बस वे दोनों ही समझ सकते हैं। एक बेटी अपने पिता की बात जितनी जल्दी जान पाती है, उतना दूसरा कोई नहीं। तभी तो सब कहते हैं कि पापा के दिल के सबसे करीब होती है उनकी प्यारी बिटिया। हर लड़की अपने पिता की छत्रछाया में खुद को सुरक्षित महसूस करती है।

पापा हैं सुपरमैन: हर बेटी की नजरों में उसके पापा किसी सुपरमैन से कम नहीं होते। उनके पास हर मुश्किल का जादुई हल होते हैं। चाहे वो टूटे खिलौने को जोड़ना हो या फिर बिटिया का बिगड़ा मूड ठीक करना हो या मम्मा की डांट से बचाना हो या मम्मी से छुपाकर बेटी को अपनी फेवरेट चॉकलेट, आइसक्रीम खाना हो, पापा इन सभी कामों को मजे से अंजाम देते हैं। पापा ऑफिस के तनाव में भी अपनी गुड़िया की बातें सुनते हैं, उसकी हर शरारत में उसके साथी बन जाते हैं। अपनी बेटी की मुस्कान उनके लिए सबसे बड़ी नियामत होती है। बेटी के लिए पापा सब कुछ करने को तैयार रहते हैं। उसकी हर एक फरमाइश को पूरा करते हैं। यही तो होता है-रियल सुपरमैन। जब नन्ही बिटिया के गिरने पर उसे चोट लगती है, तो वह यही सोचती है, 'डोंट वरी, पापा हैं ना, फूंक मार देंगे, तो सब ठीक हो जाएगा।' और

वाकई पापा के ऐसा करने पर बिटिया अपनी चोट भूल जाती है, दर्द उड़न-छू हो जाता है।

बेस्ट फ्रेंड होते हैं पापा: बेटी जब धीरे-धीरे बड़ी होती है, पापा उसके लिए सिर्फ पिता नहीं होते, बेस्ट फ्रेंड हो जाते हैं। जब तब आराम से बैठकर घंटों बातें करते हैं, स्कूल-कॉलेज के किस्से सुनते हैं। अपने डर और सपने बताना है या या कोई खुशी या दुख जाहिर करना है, ये सब बातें बेटियां बेझिझक अपने पापा से ही शेयर करती हैं। उनका सच्चा बेस्ट फ्रेंड अगर कोई है तो वो पापा ही होते हैं। वे ऐसे फ्रेंड होते हैं, जो ना जज करते हैं, ना नाराज होते हैं, ना कभी धोखा देते हैं। पापा अपनी बेटी के मन की बातें बिना कहे की समझ जाते हैं।

प्रेरणास्रोत हैं पापा: बचपन में जब बेटी चलना सीखती है, तो पापा उसकी अंगुली थामे रहते हैं, चलना सिखाते हैं। फिर पूरी जिंदगी यही अंगुली राह दिखाती है- कभी सलाह बनकर तो कभी हौसला बढ़ाकर। बेटी के लिए पापा सिर्फ एक अभिभावक नहीं होते, उसके सबसे बड़े प्रेरणा स्रोत होते हैं, जो उसे कभी हार नहीं मानने देते हैं। अपनी लाडली की सबसे बड़ी ताकत बन जाते हैं पापा।

सच्चा और अटूट रिश्ता

पिता-बेटी का रिश्ता वक्त के साथ कभी बदलता नहीं है, पिता-बेटी का रिश्ता शब्दों का भी मोहताज नहीं होता है। बचपन में बेटी की पहली मुस्कान से लेकर उसके हर सपने तक, विदाई तक, पापा हर मोड़ पर उसके साथ रहते हैं। वक्त गुजरता है, बेटी बड़ी हो जाती है, जिम्मेदारियां बदल जाती हैं- पर पिता का प्यार उसकी परवाह और उसका रिश्ता वैसा का वैसा रहता है, हमेशा एक जैसा, सच्चा और अटूट।

बॉन्डिंग
अलका 'सोनी'

मां का प्यार तो खिली धूप जैसा प्रकट दिखता है, महसूस होता है, जबकि पिता का प्यार शीतल छाया की तरह हमेशा पास होकर भी अदृश्य रहता है। लेकिन कठिन समय में वही छाया संतान के लिए सुरक्षा कवच बन जाती है।

प्यार तो करते हैं पर जताते नहीं पापा

मां के प्यार को तो अकसर शब्द, स्पर्श और आंसुओं में ढूंढ़ लिया जाता है, लेकिन पिता का प्यार, अकसर मौन होता है, गहरा होता है और छुपा होता है। वह प्यार जो न लोरी बनता है, न गले लगकर बहता है, लेकिन अपनी संतान की हर छोटी-बड़ी जरूरत को पूरा करने के लिए हमेशा उपस्थित होता है। सच, हम सबके पापा ऐसे ही होते हैं, जो जताते नहीं, फिर भी सबसे अधिक प्यार करते हैं।

प्रतीकों में प्रकट होता प्यार

पिता अपनी भावनाओं को शब्दों से नहीं, प्रायः प्रतीकों में और मौन गतिविधियों से व्यक्त करते हैं। सर्दी की ठिठुरती रात में वे आधी रात को अकसर उठकर चुपचाप आपको कंबल ठीक से ओढ़ा जाते हैं। आपके बीमार होने पर जब तक आपको नींद नहीं आ जाती बेचैनी से चहलकदमी करते रहते हैं या आपके सिरहाने बैठ जाते हैं। आपके कॉलेज ट्रिप पर जाने की सूचना मिलने पर आपसे डायरेक्ट नहीं लेकिन मां के जरिए आपको कुछ एक्स्ट्रा पैसे दिलवाते हैं

कि उनकी बिटिया को सफर में कोई परेशानी न हो। ऐसा वो और बहुत कुछ करते रहे हैं और जब भी मौका मिलता है, आज भी करते हैं।

याद करें वो लम्हे

अगर याद करें तो अतीत में बिताए ऐसे कई लम्हे याद आ जाएंगे, जब पिता हमारे आस-पास रहकर चुपचाप हमारी केयर करते थे। जब आप पहली बार साइकिल चलाना सीखने की कोशिश में बार-बार गिर रही थीं, तब पापा ने ही साइकिल को पीछे से पकड़कर आपको संतुलित होना सिखाया था। लेकिन कभी जताया नहीं कि वह इस बात को लेकर कितना चिंतित रहते थे कि कहीं गिरकर आपको चोट न लग जाए। या स्कूल का वो पहला दिन, जब मां ने तो आंखें पोंछकर आपको विदा किया था लेकिन पापा स्कूल के गेट के पीछे से आपको तब तक देखते रहे थे, जब तक आप क्लासरूम में नहीं चली गई थीं। यह भी याद आएगा आपको कि जब किसी प्रतियोगिता में आप हारकर निराश हो गई थीं, तब पापा ने पीठ थपथपा कर कहा था, 'बेटा, कोशिश करना मत छोड़ना। तुम जरूर जीतोगी।' आपका तो हौसला बढ़ा दिया लेकिन आपकी निराशा को अपने भीतर लेकर कई दिन अनमने से बिताए थे।

जिम्मेदारियों तले दबा स्नेह

कई बार शांत दिखते समंदर के भीतर लहरों की हलचल भरी रहती है। ठीक उसी तरह ऊपर से चुप्पी साधे पिता के मन में भी हमारे लिए आगाध चिंता और प्यार छिपा होता है। जरूरत होती है बस, उस भाषा को समझने की। वास्तव में पिता की बेशुमार जिम्मेदारियां ही होती हैं, जो उनको बाहरी रूप से कठोर बना देती हैं। वे हमारी चिंता करते हैं, भविष्य बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास करने की सोचते हैं, लेकिन बिना किसी को प्रकट किए। ऐसा इसलिए कि शायद उन्हें लगता है कि उनका भावुक होना, उनके बच्चे को कमजोर कर देगा। वास्तव में उन्हें एहसास होता है कि उनकी छाया में उनके बच्चे हर तपिश से सुरक्षित हैं। इसीलिए वे अपने हर त्याग को हंसते हुए छुपा लेते हैं। सच, पिता बनने के बाद उनका जीवन अपनी संतान को ही समर्पित हो जाता है।

डाइट सजेशन
ललिता गोयल

अपनाएं सही डाइट प्लान बढ़ती एज में पापा रहेंगे हेल्दी

हर बेटी चाहती है कि उसके पिता का साया उसके सिर पर हमेशा बना रहे, उसके पिता हमेशा हेल्दी और फिट रहें। लेकिन बढ़ती उम्र के साथ हेल्दी और फिट रहने के लिए अन्य बातों के अलावा जरूरत होती है सही डाइट प्लान फॉलो करने की।

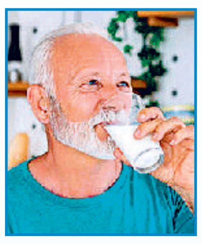

लो फैट फूड्स: उम्र बढ़ने के साथ पाचन क्रिया धीमी पड़ने लगती है। ऐसे में शरीर को फैट पचाने में कठिनाई होने लगती है। साथ ही हाई फैट वाली चीजों को खाने से कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है और दिल की बीमारियों का रिस्क भी बढ़ता है। इसके अलावा इससे कब्ज की समस्या बढ़ जाती है। इसलिए बेटियां ध्यान रखें कि उम्र बढ़ने के साथ उनके पिता लो फैट वाले फूड्स का ही सेवन करें।

प्रोटीन है जरूरी: डाइट में प्रोटीन का होना बेहद जरूरी होता है। दरअसल, 50 से 60 की उम्र के बीच मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं। इसी वजह से हाथ-पैर में दर्द, हड्डियों से जुड़ी बीमारियां होने लगती हैं। इसलिए इन तमाम परेशानियों से बचे रहने के लिए डाइट में प्रोटीन से भरपूर फूड्स जैसे सोया मिल्क, टोफू, दूध, दही, पनीर और कुछ ड्राई फ्रूट्स शामिल करने चाहिए। आपकी पहली प्राथमिकता प्लांट बेस्ड प्रोटीन की होनी चाहिए, इसके अलावा मीट, चिकन, अंडे, फिश और सूखे मेवे का सेवन भी करवाया जा सकता है।

ओमेगा 3 फैटी एसिड: अपने पापा को ब्रोकली, कैबेज, हरी पत्तेदार सब्जियां, अखरोट, स्प्राउट्स, ग्रीन टी, बेरीज आदि का सेवन जरूर कराना चाहिए। इन सभी में ओमेगा 3 फैटी एसिड भी होता है, जो दिल की बीमारियों और कैंसर से बचाव करने में भी मदद करता है। ओमेगा 3 फैटी एसिड के सेवन से आंखें स्वस्थ रहती हैं। साथ ही यह अल्जाइमर यानी कि भूलने की बीमारी, इनसोमनिया (नींद ना आना), चिंता और अवसाद जैसे कई मानसिक रोगों से भी बचाता है।

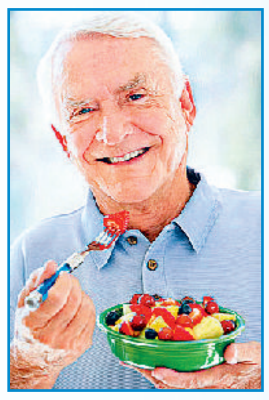

फाइबर है जरूरी: बढ़ती उम्र में आपको अपने पापा की डाइट में ऐसी सब्जी और फलों को शामिल करना होगा, जिनमें प्रचुर मात्रा में फाइबर मौजूद हो। फाइबर के जरिए ही कोलेस्ट्रॉल लेवल और ब्लड प्रेशर को संतुलित रखा जा सकता है।

विटामिन और कैल्शियम: बढ़ती उम्र के लोगों में हड्डियों को हेल्दी रखने के लिए कैल्शियम, और विटामिन डी की आवश्यकता होती है। कैल्शियम युक्त खाद्य पदार्थों जैसे दूध, हरी पत्तेदार सब्जियां, मछली आदि का सेवन पापा को करवाएं। विटामिन डी के स्रोतों में फैटी मछली, जैसे सैल्मन और अंडे आदि का सेवन करने को कहें।

(डाइटिशियन शीला सहरावत से बातचीत पर आधारित)

केयर
रजनी अरोड़ा

याद कीजिए, बचपन या किशोरावस्था में जब कभी आप किसी बात पर रूठ जाती थीं तो पापा ही सबसे पहले मनाने आते थे। आपको कभी अकेले या गुमसुम नहीं रहने देते थे। तो अब वृद्धावस्था में अगर वे अपने आपको एकाकी महसूस करते हैं तो आपको उन्हें अपने प्यार-स्नेह का संबल जरूर देना चाहिए।

एकाकी पिता को दें अपने प्यार-स्नेह का संबल

एक मजबूत और जिम्मेदार इंसान के तौर पर जिंदगी के हर मोड़ पर बच्चों की अच्छी परवरिश और कामयाब इंसान बनाने के लिए पिता सशक्त स्तंभ की भूमिका निभाते हैं। लेकिन ढलती उम्र में एक ओर जहां वे रिटायरमेंट के बाद खालीपन के फेज से गुजर रहे होते हैं, तो इसके साथ ही बच्चों के उच्च शिक्षा या करियर के लिए देश-विदेश बस जाने या फिर जीवनसंगिनी के साथ छोड़ जाने का दर्द भी उन्हें झेलना पड़ता है। ऐसे में कई बार एकाकी जीवन जीने को मजबूर हो जाते हैं।

एकाकीपन के कारण: सेवानिवृत्ति के बाद बढ़ती उम्र में एकाकीपन के कई कारण हो सकते हैं। पार्टनर के साथ छोड़ जाने का दुख, गतिशीलता में कमी और कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ब्रेन की फ्लेक्सिबिलिटी यानी न्यूरोप्लास्टिसिटी कम हो जाती है, जिससे डिमेंशिया, अल्जाइमर जैसी समस्याएं होने लगती हैं। सामाजिक सहभागिता कम होने और भावनात्मक अभिव्यक्ति न कर पाने की वजह से वो निराशा या कई तरह के मनोविकारों से घिर जाते हैं और खुद को अकेलेपन में समेट लेते हैं।

प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक अब्राहम मास्लो की नीड थ्योरी के अनुसार, इंसान को सिर्फ मूलभूत शारीरिक जरूरतें ही नहीं, बल्कि इमोशनल सिक्योरिटी, आत्मसम्मान और संबंधों में आत्मीयता, सहभागिता की भी जरूरत होती है। अकेले रह रहे पिता इन जरूरतों को और गहराई से महसूस करने लगते हैं। जब ये जरूरतें पूरी नहीं होतीं, यानी बच्चे उनके साथ संपर्क बनाकर नहीं रखते, तो मेंटल हेल्थ प्रभावित होती है।

बेटी से होता है ज्यादा जुड़ाव: वैज्ञानिक मानते हैं कि बेटियां अपने पिता के साथ भावनात्मक रूप से अधिक जुड़ी होती हैं। एमोरी यूनिवर्सिटी, अमेरिका की एक रिसर्च के अनुसार बेटियां भावनात्मक रूप से ज्यादा संवेदनशील और केयरिंग होती है। बेटियां पिता की भावनाओं, मूड और व्यवहार को बेहतर समझती हैं। उनकी बातों को इत्मीनान से सुनकर रिस्पोंड करती हैं और इमोशनल बॉन्डिंग बना लेती हैं। पिता भावनात्मक सुरक्षा और अपनापन मिलने की वजह से बेटों की तुलना में बेटियों से ज्यादा जुड़ते हैं, अधिक सहज महसूस करते हैं। बेटियों के चेहरे के हाव-भाव और आवाज के उतार-चढ़ाव को बेहतर तरीके से समझते हैं और अधिक सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हैं। ऐसे में बेटियों को चाहिए कि वे अपने पिता को भरपूर समय और स्नेह दें। इससे पिता का मानसिक स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। दरअसल, हम सभी का एक इमोशनल कंफर्ट जोन होता है और वो जिंदगी की हर स्टेज में महत्वपूर्ण रोल निभाता है। बेटी और पिता में यह बहुत मजबूत संबंध होता है, जो उम्र बढ़ने के साथ बढ़ता रहता है। बस जरूरी है, बेटी को हर स्थिति में अपने पिता से जुड़े रहना। बेटी चाहे दूर हो या पास, पिता का ख्याल रखने, उनकी जरूरतों को पूरा करने का भरसक प्रयत्न करते रहना चाहिए।

हॉबी से जोड़ें: पापा के अकेलेपन को दूर करने के लिए गौर करें कि अगर पिता को गार्डनिंग, पेंटिंग, रीडिंग का शौक है तो आपको उन्हें अपनी हॉबी को पूरा करने के लिए भी प्रेरित करना चाहिए। इसके लिए उन्हें उनकी रुचि की नई किताबें भेंट दे सकती हैं ताकि वे बोरियत महसूस न करें। या फिर किसी खास दिन पर पिता को सरप्राइजिंग गिफ्ट भी दे सकती हैं। निश्चय ही इससे उन्हें असीम खुशी का एहसास होगा।

(ब्रिटिश यूनि. बहरीन में साइकोलॉजी की प्रोफेसर डॉ. कोमल चावला से बातचीत पर आधारित)

खबर संक्षेप

युवक चोरीशुदा मोटरसाइकिल सहित दबोचा

सिरसा। जिला की राइडर नंबर 11 पर तैनात पुलिस कर्मियों ने गश्त व चेकिंग के दौरान नजदीक पेट्रोल पंप हिसार रोड़ सिरसा क्षेत्र से एक नौजवान युवक को बुटेल बाइक सहित पकड़ा है। इंस्पेक्टर राधेश्याम ने बताया कि बीते दिन राइडर नंबर 11 पर तैनात पुलिस कर्मी गश्त के दौरान पेट्रोल पंप हिसार रोड़ सिरसा की तरफ जा रहे थे। इस दौरान पुलिस जवानों को पेट्रोल पंप के नजदीक क्लासिक बुलेट बाइक के पास एक नौजवान युवक खड़ा दिखाई दिया।

फरवाई में आटा चक्की से नगदी व गेहूं चोरी

सिरसा। सदर सिरसा पुलिस ने गांव फरवाई कलां निवासी राजकुमार पुत्र लाभ सिंह की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया है। अपनी शिकायत मे राजकुमार ने बताया कि वह गांव में आटे की चक्की चलाता है। उसने बताया कि 8 जून की मध्य रात्रि को अज्ञात व्यक्ति ने उसकी चक्की से 4500 रुपये की नगदी और 40 किलो गेहूं चुरा ली।

मोबाइल छीना-झपटी का आरोपी गिरफ्तार

सिरसा। सदर थाना पुलिस ने महत्वपूर्ण सूराग जुटाते हुए गांव सिकंदरपुर क्षेत्र से एक छात्रा से मोबाइल छीना झपटी की वारदात में संलिप्त एक युवक को गिरफ्तार किया है। सब इंस्पेक्टर सुखदेव सिंह सिंह ने बताया की सिकंदरपुर निवासी प्रिया ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि जब वह कॉलेज से अपने घर जा रही थी। इस दौरान पीछे से बाइक पर सवार दो युवक आए और पीछे बैठे युवक ने मेरे हाथ से मोबाइल छीन कर मौका से फरार हो गए।

बैंक शिकायतों का डाटा पोर्टल पर करें दर्ज

सिरसा। भारत सरकार द्वारा 14 जून तक विंडो खोली गई है, जिसके तहत संबंधित बैंकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे बीमा कंपनियों के प्रतिनिधियों के समन्वय से लंबित किसानों का डेटा एनसीआईपी पोर्टल पर अपलोड करें। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग उपनिदेशक डा. सुखदेव सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ 2024 सीजन में जिन किसानों की प्रीमियम राशि समय पर संबंधित बैंकों द्वारा काटकर बीमा कंपनियों को भेजी गई थी, लेकिन किसी तकनीकी कारणवश उनका डेटा नेशनल क्रॉप इंश्योरेंस पोर्टल (एनसीआईपी) पर दर्ज नहीं हो सका था।

सदस्यता अभियान में लाई जाएगी तेजीः ऐलावादी

सिरसा। अखिल भारतीय अरोड़ा एकता परिवार की बैठक प्रधान भारत भूषण ऐलावादी की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान प्रधान भारत भूषण ऐलावादी ने समाज को एकजुट करने के लिए सदस्यता अभियान चलाने की जरूरत पर बल दिया तथा आम चर्चा के बाद सदस्यता अभियान में तेजी लाने की रणनीति बनाई गई। कार्यकारिणी के सभी सदस्यों से आग्रह किया गया कि वे अपने यहां छोटी बैठकें आयोजित करें तथा कम से कम पांच लोगों को परिवार के साथ जोड़ें। इस अवसर पर मुख्य सरंक्षक सुरेंद्र मोहन खुराना, कार्यकारी अध्यक्ष सतबीर सिंह धमीजा के अतिरिक्त एडवोकेट मोहन लाल अरोड़ा आदि रहे।

पैसे का लालच देकर ठगी करने पर दो काबू

फतेहाबाद। साइबर ठगों की धरपकड़ को लेकर दिए गए निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए जाखल पुलिस ने धोखाधड़ी के एक मामले में कुरूक्षेत्र के दो युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि युवकों ने ऑनलाइन बैट लगाकर पैसा दोगुना करने का लालच देकर डूल्ट के युवक से हजारों रुपये ठग लिए। पकड़े गए युवकों की पहचान राहुल अरोड़ा पुत्र केवल कृष्ण व मंगत पुत्र दीवान सिंह निवासी शाहबाद जिला कुरूक्षेत्र के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से 7 हजार रुपये की नकदी भी बरामद की है। थाना जाखल प्रभारी ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 2 जून को गांव डूल्ट निवासी साहिल की शिकायत पर केस दर्ज किया था।

नशा मुक्ति समिति के सदस्यों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन

समिति का उद्देश्य नशा पीड़ितों को समाज की मुख्य धारा में लाना : सीजेएम गायत्री

नशे के शारीरिक, मानसिक दुष्परिणामों के बारे में जागरूकता फैलाने में सहयोग करने का किया आह्वान

फतेहाबाद। एडीआर सेंटर में ओरिएंटेशन कार्यक्रम की अध्यक्षता करती सीजेएम गायत्री। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी गायत्री की अध्यक्षता में जिला एडीआर सेंटर में नशा मुक्त भारत हेतु मादक पदार्थों के प्रति जागरूकता व स्वास्थ्य संवर्धन के अंतर्गत गठित समिति के सदस्यों हेतु ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह अभियान राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा शुरू किया गया है। इसी के अंतर्गत समिति के सभी सदस्यों के लिए एक दिशा निर्देश ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समिति के सदस्यों को योजना के उद्देश्य, कार्य प्रणाली व रणनीतिक कार्यान्वयन से परिचित कराना था। सीजेएम गायत्री ने समिति के सदस्यों से आह्वान किया कि वे नवाचार के माध्यम से छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों, युवाओं व सामुदायिक कार्यक्रमों में नशे की शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं पारिवारिक दुष्परिणामों के बारे में जागरूकता फैलाने में सहयोग करें।

उन्होंने कार्यक्रम के आयोजन को महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि इससे जमीन स्तर पर जागरूकता सहायता और कार्यान्वयन में प्रभावी सुधार की उम्मीद की जा रही है। उक्त पहल केवल समाज के संवेदनशील वर्गों की सुरक्षा और कल्याण के लिए आवश्यक है बल्कि यह सशक्त जागरूक और नए संगत समाज के निर्माण की दिशा में एक ठोस प्रयास है।

मादक पदार्थों से संबंधित अपराधों की रिपोर्टिंग हेतु राष्ट्रीय नारकोटिक्स हेल्पलाइन नंबर 1933 पर जानकारी दें। नशा पीड़ितों हेतु परामर्श व पुनर्वास सहायता हेतु हेल्पलाइन नंबर 144461, विधिक सहायता हेतु हेल्पलाइन नंबर 15100 व जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण हेल्पलाइन नंबर 01667 231174 पर भी जानकारी दे सकते हैं।

सेवाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने पर की चर्चा

सीजेएम गायत्री ने कहा कि नशा मुक्ति समिति का उद्देश्य नशा पीड़ितों को समाज की मुख्य धारा में लाना, नशा पीड़ितों की पहचान करना, लोगों को नशे के दुष्प्रभाव बताना और उनको कैसे दूर किया जा सकता है, इस बारे लोगों को जागृत करना है। इस जागरूकता अभियान में अधिवक्ता कमलेश वशिष्ठ ने जागृति न्याय जागरूकता के लिए ग्रामीण सूचना एवं पारदर्शिता पहल योजना 2025 के अंतर्गत आयोजित सत्र में विशेष रूप से ग्राम स्तर पर न्यायिक अधिकारों योजनाओं और विधिक सेवाओं की जानकारी को आमजन तक पहुंचाने के लिए तरीकों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुरेश कुमार, डीडीपीओ अनूप सिंह, नप कार्यकारी अधिकारी राजेंद्र सोनी, जिला ड्रग अधिकारी दिनेश कुमार, मनोचिकित्सक डॉ. गिरीश कुमार, अधिवक्ता कमलेश वशिष्ठ, पैनल अधिवक्ता सुभाष चंद्र जांगू आदि उपस्थित रहे।

फतेहाबाद। आयुष विभाग की जिला स्तरीय योग प्रतियोगिताओं में भाग लेते विद्यार्थी

योग दिवस के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय योग प्रतियोगिताएं संपन्न हुई जिसमें विभिन्न आयु वर्गों के खिलाडियों व आयुष योग सहायकों ने भाग लिया। आयुष विभाग की इन प्रतियोगिताओं में अपने-अपने आयु वर्गों में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी पंचकूला में होने वाले राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. प्रवीण शर्मा ने बताया कि जिला स्तरीय योग प्रतियोगिताओं की आयु वर्ग 10 वर्ष से 14 वर्ष लड़कों में शुभम प्रथम, भव्य द्वितीय, बृजेश तृतीय स्थान व आयु वर्ग 10 वर्ष से 14 वर्ष लड़कियों में पूजा प्रथम, अवनी द्वितीय, मानवी तृतीय स्थान, आयु वर्ग 14 वर्ष से 18 वर्ष लडक़ों में तुषार प्रथम, रूद्र द्वितीय, नैतिक तृतीय स्थान व आयु वर्ग 14 वर्ष से 18 वर्ष लड़कियों में स्नेहा प्रथम, हिमांशी द्वितीय और नेहा तृतीय स्थान, आयु वर्ग 18 से 28 वर्ष लडक़ों में धनवीर प्रथम, जन्नत द्वितीय, विक्रम तृतीय स्थान व आयु वर्ग 18 से 28 वर्ष लड़कियों में बुलबुल प्रथम, गीता द्वितीय, ज्योति तृतीय स्थान, आयु वर्ग 28 वर्ष से 40 वर्ष के पुरुषों में कुलदीप कुमार प्रथम, अनिल कुमार द्वितीय व मनोज कुमार तृतीय स्थान पर रहा।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर योग स्पेशलिस्ट अंबिका पांटा, आयुष योग सहायक पूनम देवी, पूनम रानी, ज्योति रानी, सुखदेव सिंह, रोशन लाल, दिनेश कुमार, उग्रसेन, मनोज कुमार, जन्नत, अनिल कुमार, शिक्षा विभाग से डीपी अनिल कुमार, बलवीर सिंह आर्य, खेल विभाग से कोच अनिल कुमार, विनीत कुमार, सुभाष व माजिद आदि उपस्थित रहे।

स्वच्छ वातावरण में होता ईश्वर का वासः एसपी

- पुलिस कर्मियों ने कार्यालयों व अन्य थाना चौकियों तथा आसपास के क्षेत्र में किया श्रमदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

पुलिस कर्मचारी कॉलोनी परिसर में सफाई करते हुए। फोटो : हरिभूमि

पुलिस कर्मचारियों ने सोमवार को पुलिस लाइन परिसर, कार्यालयों व अन्य थाना चौकियों तथा आसपास के क्षेत्र में श्रमदान कर विशेष सफाई अभियान चलाकर समाज में पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने का संदेश दिया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि वातावरण में स्वच्छता बनाए रखना, और इसे शुद्ध रखना हमारा नैतिक कर्तव्य है। इसलिए स्वच्छ वातावरण हमारे स्वास्थ्य, पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों के लिए भी आवश्यक है। उन्होंने सभी पुलिस कर्मियों से कहा कि आप जहां भी रहते हो अपने आसपास के लोगों को भी साफ-सफाई के प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि हम जिस पर्यावरण में रहते है उसका सीधा असर हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता है। अगर हम साफ पर्यावरण में रहेंगे तो हमारा स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। अगर हमारे आसपास गंदगी रहती है तो वहां मच्छर-मक्खी पैदा हो जाते है। जिससे हमें कई प्रकार की बीमारियां हो जाती है और हमारा स्वास्थ्य खराब हो जाता है। लोगों को साफ-सफाई के प्रति अपनी सोच को बदलना चाहिए। सभी को स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझते हुए इसका निर्वाह करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों के अंदर स्वच्छता की प्रति जागरूकत बढेगी और समाज में भी स्वच्छता का संदेश जाएगा। उन्होंने बताया कि नियमित साफ-सफाई से कार्यस्थल बेहतर होता है और यह अनुशासन एवं जिम्मेदारी का प्रतीक भी बनता है।

पुलिस अधीक्षक ने जिला के पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कहा कि आप जहां भी रहते हैं, उसके आसपास के वातावरण को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाए रखना आपका दायित्व है। पुलिसकर्मियों ने थाना परिसरों में उगी घास और झाडय़ों को काटा कर पुराने कचरे को हटाया गया तथा कार्य स्थलों की व्यवस्थित ढंग से सफाई की गई।

एवीटी स्टाफ निरीक्षक कृष्ण कुमार हुए पदोन्नत, एसपी को दी शुभकामनाएं

- उनके सेवा-काल के अनुशासन और जनसेवा के प्रति समर्पण की सराहना की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। इंस्पैक्टर बने कृष्ण कुमार को स्टार लगाकर बधाई देते एसपी।

एवीटी स्टाफ के एसआई कृष्ण कुमार पदोन्नत होकर इंस्पैक्टर बन गए हैं। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने आज अपने कार्यालय में उप-निरीक्षक से पदोन्नत हुए कृष्ण कुमार को इंस्पैक्टर बनने पर बधाई दी और उनके कंधों पर स्टार लगाकर औपचारिक रूप से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्टेनो सोनू भी उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक ने इंस्पैक्टर कृष्ण कुमार को पदोन्नति की बधाई देते हुए उनके सेवा-काल की कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और जनसेवा के प्रति समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि विभाग को ऐसे कर्मठ, ईमानदार और निष्ठावान अधिकारियों पर गर्व है। उन्होंने यह विश्वास व्यक्त किया कि निरीक्षक कृष्ण कुमार अपने नवीन दायित्वों का निर्वहन भी पूर्ववत उत्साह, ईमानदारी और समर्पण भाव से करते रहेंगे। पुलिस अधीक्षक ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी कार्यशैली अन्य पुलिसकर्मियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है।

विकलांगों को निःशुल्क बस यात्रा सुविधा देने की घोषणा को जल्द लागू करे सरकार : टेक चन्द

रतिया। विकलांग अधिकार मंच, रतिया की नव गठित ब्लॉक कमेटी की प्रथम बैठक का आयोजन ब्लॉक अध्यक्ष टेक चन्द की अध्यक्षता में शहर की बाबा नामदेव धर्मशाला में किया गया। बैठक में राज्याध्यक्ष एवं जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार ने विशेष तौर पर भाग लिया। बैठक का संचालन ब्लॉक सचिव अनिल बिश्नोई ने किया। बैठक में विकलांगों की समस्याओं पर विस्थार से चर्चा की गई। बैठक को सम्बोधित करते हुए ब्लॉक अध्यक्ष टेक चन्द ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बजट के दौरान सभी विकलांगों को निःशुल्क बस यात्रा सुविधा देने की घोषणा की थी जिसे अभी तक लागू नही किया गया है। विकलांग अधिकार मंच सरकार से मांग करता है कि इसे जल्द से जल्द लागू किया जाए ताकि विकलांगों को निःशुल्क बस यात्रा सुविधा का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि जल्द ही रतिया ब्लॉक के हर एक गांव में जाकर मंच की इकाईयां गठित की जाएंगी और सदस्यता अभियान चलाया जायेगा। बैठक में मंच द्वारा भविष्य में करवाये जाने वाले कार्यक्रमों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर ब्लॉक उपाध्यक्ष अमरीक सिंह, कोषाध्यक्ष कर्मजीत सिंह पदम, पपल कुमार, कुन्दन लाल, हरपाल सिंह, मंगत राम, राजेश कुमार, आदि मौजूद रहे।

महिला पुलिस टीम ने यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

- विभिन्न स्थानों पर नाकाबंदी कर ट्रेफिक नियमों की विस्तार से दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

वाहन चालकों को ट्रैफिक नियमों के बारे में विस्तार से जानकारी देते महिला पुलिस।

महिला थाना की पुलिस टीमों ने शहर सिरसा के विभिन्न स्थानों पर नाकाबंदी कर आने जाने वाले वाहन चालकों को ट्रैफिक नियमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को ट्रैफिक नियमों की पालना करनी चाहिए। ट्रैफिक नियमों की अवहेलना कर दूसरों की जान जोखिम में नहीं डालनी चाहिए।

महिला पुलिस की टीमों ने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि अपने बच्चों को सडक़ सुरक्षा नियमों के बारे में जानकारी देनी चाहिए, क्योंकिं दिन प्रतिदिन बच्चों से जुड़े सडक़ दुर्घटना के मामलें काफी बढ़ रहे हैं।

महिला थाना की पुलिस टीमों ने बताया कि बच्चों द्वारा अक्सर पैदल पथ, साइकिल पर रास्ता पार करते या बस से उतरते समय ट्रैफिक नियमों की पालना न करने के चलते अक्सर सडक़ दुर्घटना के शिकार हो जाते है।

पुलिस टीमों ने कहा कि दुपहिया वाहन चलाते समय हमेशा हेलमेट का प्रयोग करना चाहिए तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा की सरकार द्वारा निर्धारित 18 साल से कम उम्र के बच्चों को वाहन चलाने के लिए न दें।

गुरु शरण धारण करना अति आवश्यकः भारती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा श्री श्याम बगीची में आयोजित तीन दिवसीय कथा के दूसरे दिन साध्वी दिवेशा भारती ने संत नामदेव की जीवन गाथा को प्रस्तुत करते हुए बताया कि संत नामदेव भगवान वि_ल के अनन्य भक्त हैं। बचपन से ही भगवान वि_ल उनके समक्ष प्रकट होते रहे। बाल्य काल से ही भगवान के चरणों से उनकी अटूट प्रीति थी और भगवान की आराधना करते थे। भगवान को जब भी पुकारते भगवान अपनी मूर्ति में से प्रकट होकर के उनको दर्शन देते थे। उन्होंने बताया कि संत नामदेव का जीवन चरित्र साथ ही साथ हमें बहुत बड़ी सत्यता से जागरूक करवाता है। कहते है बड़े होने के बाद संत नामदेव को एक बाद भगवान प्रकट होकर उन्हें गोरा कुम्हार के घर में जाने के प्रेरणा देते हैं। वहां मौजूद संत उन्हें कच्चा घड़ा की संज्ञा देते हैं जिसे वे भगवान को बताते हैं। इसका अर्थ यह है कि गुरू का जीवन में होना अति आवश्यक है। सृष्टि के रचयिता भगवान श्रीराम, भगवान श्रीकृष्ण को भी गुरू धारण करना पड़ा। साध्वी ने बताया कि यदि अभिभावक अपने बच्चों को कुछ देना चाहते हैं तो उन्हें बाल्यकाल से ही भारतीय संस्कृति से जोड़ना होगा।

भट्टूकलां में ढाढी समाज का राष्ट्रीय सम्मेलन का किया आयोजन

प्रतियोगी युग में शॉर्टकट अपनाकर नहीं, कठिन परिश्रम कर हासिल की जा सकती है कामयाबी : सतीश शाहपुर

- हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के वाइस चेयरमैन सतीश शाहपुर ने मुख्यातिथि के रूप में भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भट्टूकलां

भट्टूकलां। मुख्यअतिथि सतीश शाहपुर का स्वागत करते ढाढी समाज के लोग।

आल हरियाणा ढाढी समाज विकास मंच की ओर से सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के वाइस चेयरमैन सतीश शाहपुर ने भाग लिया। इसके अलावा विभिन्न राज्यों से समाज के प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में शिरकत की। सम्मान समारोह में शिक्षा, संगीत व समाज में उत्कृष्ट सेवा देने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। सर्व प्रथम समाज की ओर से मुख्य अतिथि को पगड़ी पहना कर स्वागत किया गया। राजस्थान से पहुंची चैम्पियन सिंगर रूकसाना मिरासी का हरियाणा समाज की तरफ से साफा पहनाकर स्वागत किया गया। सिंगर रूकसाना मिरासी ने अपनी आवाज में देश भक्ति गीत 'ऐ मेरे वतन के लोगों, अजी रूठकर कहा जाईगा' पेश कर समां बांध दिया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षा बोर्ड के वाइस चेयरमैन सतीश शाहपुर ने कहा कि आज हमारा समाज शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़ा हुआ है इसलिए समाज के लोगों को चाहिए कि अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाने के साथ-साथ युवाओं को संस्कारवान बनाएं। संगठित होकर समाज को आगे बढ़ाने का प्रयास करे। उन्होंने कहा कि आज नशा युवा पीढ़ी को गर्त में धकेल रहा है, इसके लिए सचेत रहें और युवाओं को जागरुक कर खेलों व पुस्तकालय में जाकर प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि ढाढी समाज के लोगों द्वारा रखे गए मांग पत्र में ढाढी कों डूम समाज की तरह एससी में आरक्षण दिलवाने का प्रयास मुख्यमंत्री से मिलकर करेंगे।

नकल पर अंकुश लगाने का किया कार्य

सतीश शाहपुर ने कहा कि उन्होंने हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के वॉइस अध्यक्ष के पद पर रहते हुए लोगों व शिक्षाविदों के सहयोग से नकल पर अंकुश लगाने का कार्य किया है। नकल की प्रवृत्ति ही हमारे समाज के युवाओं को पीछे धकेल रही है। आज का युग प्रतियोगिता का युग है, इसमें शॉर्टकट ना अपना कर कठिन परिश्रम कर कामयाबी हासिल की जा सकती है। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष डॉ मुरलीधर चुनकर, उप प्रधान जगदीश मालिया, जिला अध्यक्ष मुकेश कुमार पीलीमन्दोरी, कोषाध्यक्ष विनोद मालिया, महेन्द्र पालना, नवीन ढुठ, प्रवक्ता रामकुमार परलीका सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

द्रोणाचार्य क्लब के रितेश ने स्टेट बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में जीता गोल्ड मेडल

फतेहाबाद। द्रोणाचार्य बॉक्सिंग क्लब के बॉक्सिंग प्लेयर रितेश कुमार ने अंडर-17 हरियाणा स्टेट बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मैडल जीत कर अपने माता पिता, अकैडमी व फतेहाबाद क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

जानकारी देते हुए कोच प्रदीप सैनी ने बताया कि रोहतक में बीती 4 से 7 जून को आयोजित हुई उपरोक्त चैम्पियनशिप में रितेश ने अपने प्रतिद्वंदियों को अपने मुक्के के दम पर हराते हुए गोल्ड मैडल पर कब्जा जमाया। अकैडमी पहुंचने पर रितेश का कोच व सभी खिलाडिय़ों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। ओलंपियन अर्जुन अवॉर्डी जयभगवान, इंटरनेशनल कोच राजीव गोदारा, कोच प्रदीप कुमार व कोच प्रवीण कुमार ने रितेश को बधाई दी।

खबर संक्षेप

पगड़ी संभाल जट्टा संगठन की बैठक

भूना। किसान विश्राम गृह भूना में किसान संघर्ष समिति पगड़ी संभाल जट्टा की ब्लॉक स्तरीय बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश मंडा ने की। मुख्य वक्ता प्रदेशाध्यक्ष मनदीप नाथवान रहे। उन्होंने करीब एक घंटे तक सांगठनिक मार्गदर्शन सत्र में सदस्यों को संगठन की नीति और दिशा की जानकारी दी। बैठक में चंदे की पारदर्शिता, पुराने खर्चों का लेखा-जोखा और आगे की रणनीति पर चर्चा हुई। प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि संगठन के विस्तार के लिए इकाई निर्माण को प्राथमिकता दी जाएगी। सभी इकाई प्रधानों ने तय किया कि हर दो माह में ब्लॉक स्तर पर बैठक होगी। गांव-स्तर पर इकाइयों के गठन के लिए विशेष अभियान चलेगा।

फतेहाबाद में हजारों रुपये की चांदी की राखियां चोरी

फतेहाबाद। चोरों द्वारा शहर की रेगर बस्ती में एक कमरे से हजारों रुपये कीमत की चांदी की राखियां चोरी करने का समाचार है। इस बारे शहर फतेहाबाद पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में राधेश्याम निवासी धर्मशाला रोड, फतेहाबाद ने कहा है कि उसकी मकान धर्मशाला रोड पर मोमबत्ती वाली गली में है। गत दिवस रात को अज्ञात चोर रेगर बस्ती सर्ति उसके कमरे में घुस गए और वहां से करीब 900 ग्राम चांदी की राखियां चोरी कर ले गए हैं।

घर के बाहर से साइकिल चोरी, युवक पर केस दर्ज

रतिया। रतिया में एक युवक ने घर के बाहर खड़ी रेंजर साइकिल चोरी कर ली। इस बारे रतिया पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में न्यू टाऊन रतिया निवासी रमेश कुमार ने कहा है कि गत दिवस रात को उसने अपनी रेंजर साइकिल को अपने घर के बाहर खड़ा किया था। सुबह जब वह घर से बाहर आया तो उसने देखा कि वहां से उसका साइकिल गायब था। इस पर जब उसने आसपास तलाश की तो उसे पता चला कि गोबिन्दा पुत्र पुन्नू राम उसका साइकिल चोरी कर ले गया है।

जरूरतमंदों को वितरित किए वस्त्र व अन्य सामान

फतेहाबाद। सामाजिक संगठन पूर्ण सोसायटी की टीम ने लघुसचिवालय के सामने बनी स्लम बस्ती में जरूरतमंद बच्चों व महिलाओं को वस्त्र वितरित किए। इस दौरान सरकार के स्वच्छ भारत मिशन की ब्राण्ड अम्बेसडर एडवोकेट दीक्षा सचदेवा ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने यहां बच्चों व महिलाओं को स्वच्छता का संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रेजिडेंट सन्नी बंसल व पायल चक्रवर्ती ने की। इस अवसर पर दीपिका बंसल, ललित चक्रवर्ती, सुदर्शन नरुला, हर्ष नागपाल, राजकमल, रजनीश वर्मा, ओम समीर ने अपनी सेवाएं दीं। एडवोकेट दीक्षा मैहता, पायल चक्रवर्ती और दीपिका बंसल ने यहां रहने वाली महिलाओं व बेटियों को महावारी में स्वच्छता के लिए सेनेटरी पैड यूज करने के बारे में जागरूकता दी तथा बड़ी संख्या में सेनेटरी पैड व साबुन इत्यादि भी वितरित किए। बच्चों को बिस्कुट व टॉफियां वितरित करते हुए उन्हें भी साफ सुथरा रहने व पढने के लिए प्रेरित किया। दीक्षा सचदेवा ने कहा कि स्वच्छता ही स्वास्थ्य का पहला आधार होता है। स्लम बस्तियों में साफ सफाई बेहद जरूरी है। यहां रहने वाले लोगों को स्वच्छता के लिए प्रेरित करना तथा समय समय पर इनकी सहायता करने के लिए पूर्ण सोसायटी प्रयास कर रही है।

सीडीएलयू के कुलपति ने किया हैंडबुक ऑफ इनफार्मेशन का विमोचन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा के कुलपति प्रो. विजय कुमार ने सोमवार को शैक्षणिक सत्र 2025-26 की हैंडबुक ऑफ इनफार्मेशन का विमोचन तथा दाखिले से संबंधित ऑनलाइन पोर्टल को लांच किया। यूनिवर्सिटी इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी, डाटा एंड कंप्यूटर सेंटर (यूआईटीडीसी) की सिस्टम मैनेजर डॉ.सरोज मेहता व जूनियर प्रोग्रामर गुलशन ने इस संबंध में ऑनलाइन एडमिशन प्रक्रिया की विभिन्न जानकारियों को बारीकी के साथ सांझा किया।

सिरसा। हैंडबुक ऑफ इनफार्मेशन का विमोचन करते कुलपति प्रो. विजय कुमार। फोटो :हरिभूमि

कुलपति ने इस प्रक्रिया को अत्यंत सरल बनाने के निर्देश दिए और कहा कि आवेदकों को ऑनलाइन दाखिले से संबंधित जानकारी प्रदान करने व ऑनलाइन आवेदन करने के लिए विश्वविद्यालय में विभागीय स्तर एवं यूआईटीडीसी में व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। यूआईटीडीसी सेल द्वारा दी गई प्रेजेंटेशन में बताया गया कि विभिन्न विभागों को यूजर आईडी प्रदान कर दी जाएगी और विभागों से दाखिलों से संबंधित डॉक्यूमेंट वेरीफाई होने के उपरांत मेरिट लिस्ट जारी की जाएगी। स्नातक (यूजी) तथा स्नातकोत्तर (पीजी) में दाखिला लेने के इच्छुक विद्यार्थी आज से विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर आवेदन कर सकेंगे। एक से अधिक प्रोग्राम में आवेदन करने वाले विद्यार्थी को अलग-अलग आवेदन करना होगा और निर्धारित आवेदन शुल्क भरना होगा। प्रत्येक प्रोग्राम में आवेदन की यूजर आईडीऑनलाइन पोर्टल पर जनरेट होगी। इस बार विश्वविद्यालय ने यूजी तथा पीजी का अलग-अलग काउंसलिंग शड्यूल जारी किया है। 10 जुलाई से यूजी की काउंसलिंग शुरू हो जाएगी तथा 11 जुलाई 2025 से पीजी की काउंसलिंग शुरू हो जाएगी। कुलपति ने यूआईटीडीसी के अधिकारियो को आवेदन प्रक्रिया के दौरान भी पैनी नजर बनाए रखने के निर्देश दिए और कहा कि यदि इस प्रक्रिया के दौरान कोई भी त्रुटि आती है तो उसे तुरंत प्रभाव से दुरुस्त किया जाए। बैठक के दौरान दाखिला प्रक्रिया को सरल एवं प्रभावशाली बनाने के सुझाव भी प्राध्यापकों द्वारा दिए गए।

ये रहेगा एडमिशन शेड्यूल

शैक्षणिक मामलों के अधिष्ठाता प्रो. सुरेश कुमार गहलावत ने बताया कि विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी स्कूल फॉर ग्रेजुएट स्टडीज में स्नातक स्तर के दाखिले 9 जून से शुरू हो गए हैं और अंतिम तिथि 7 जुलाई है। पहली काउंसलिंग 10 जुलाई को होगी और सफल आवेदक 13 जुलाई सायं 5 बजे तक फीस जमा करवा पाएंगे। दूसरी काउंसलिंग 14 जुलाई को होगी और सफल आवेदक 16 जुलाई सायं 5 बजे तक फीस जमा करवा पाएंगे। तीसरी काउंसलिंग 17 जुलाई को होगी और सफल आवेदक 20 जुलाई तक फीस जमा करवा पाएंगे। 22 जुलाई को दोपहर 12 बजे तक फिजिकल काउंसलिंग होगी और सफल आवेदक 23 जुलाई तक फीस जमा करवा पाएंगे। 22 जुलाई 2025 से कक्षाएं शुरू होंगी।

पुलिस लाइन परिसर में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया

पुलिस कर्मियों ने की मॉक ड्रिल, परेड के बाद सीपीआर का दिया गया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

- पुलिस अधीक्षक ने पुलिसकर्मियों की शारीरिक क्षमता, मानसिक सजगता और अनुशासन का गहन निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए

कानून व्यवस्था की सुदृढ़ता, आपात स्थितियों से निपटने की तत्परता और जनसेवा के प्रति अपनी मानवीय प्रतिबद्धता को और अधिक मजबूती देने हेतु पुलिस लाइन परिसर में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस आयोजन में जनरल परेड, मॉक ड्रिल, और सीपीआर एवं प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण को शामिल किया गया। इस प्रशिक्षण सत्र का नेतृत्व पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने किया। उन्होंने स्वयं परेड का निरीक्षण करते हुए पुलिस बल की शारीरिक फिटनेस, अनुशासन और रणनीतिक दक्षता का मूल्यांकन किया। परेड के दौरान पुलिस अधीक्षक ने पुलिसकर्मियों की शारीरिक क्षमता, मानसिक सजगता और अनुशासन का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि एक सक्षम पुलिस बल की नींव उसकी फिटनेस, समर्पण और तत्काल प्रतिक्रिया क्षमता में निहित होती है।

फतेहाबाद। पुलिस कर्मचारियों को प्रशिक्षण देते विशेषज्ञ। फोटो :हरिभूमि

मॉक ड्रिल के दौरा आपात परिस्थितियों से निपटने का व्यवहारिक अभ्यास किया गया। परेड के बाद आयोजित मॉक ड्रिल में दंगा नियंत्रण, टीमवर्क और त्वरित निर्णय क्षमता की गहन जांच की गई। प्रशिक्षण में भीड़ नियंत्रण की आधुनिक रणनीतियां, न्यूनतम बल प्रयोग एवं संयमित कार्रवाई, सुरक्षा उपकरणों का प्रभावी उपयोग, टीम समन्वय और आपात प्रतिक्रिया तकनीकें, सीपीआर और प्राथमिक चिकित्सा का प्रशिक्षण पर विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण भाग रहा जीवन रक्षक तकनीकों का प्रशिक्षण, जिसमें स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा सीपीआर और प्राथमिक चिकित्सा से संबंधित वर्कशॉप आयोजित की गई। इसमें पुलिसकर्मियों आपात स्थिति में सीपीआर देने की विधि, सांस रुकना, बेहोशी, और चोट की स्थिति में तत्काल प्राथमिक उपचार, घटनास्थल पर गंभीर रूप से घायल नागरिकों या सहकर्मियों की मदद कैसे करें, के बारे में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान पुलिसकर्मियों ने प्रैक्टिकल डेमो के माध्यम से सीपीआर तकनीकों का अभ्यास किया। कार्यक्रम के समापन पर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि इस तरह के समग्र प्रशिक्षण न केवल पुलिसकर्मियों की तकनीकी दक्षता बढ़ाते हैं, बल्कि उनमें मानवीय संवेदनाएं और सेवा भावना को भी सशक्त करते हैं। इस मौके पर जिले के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

बाबा भागीरथ ओड सेवा ट्रस्ट ने धूमधाम से मनाई भागीरथ जयंती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

सगर राजा के 60 हजार पुत्र ऋषि कपिलमुनी के श्राप से भस्म हो गए। बाबा भगीरथ महाराज द्वारा उनकी आत्मिक शांति के लिए कठोर तपस्या की गई जिस कारण मां गंगा पृथ्वी पर आई और सगर राजा के पुत्रों को मोक्ष प्राप्ति हुई। यह बात रतिया के पूर्व विधायक लक्ष्मण नापा ने कही। वो बाबा भागीरथ ओड़ सेवा ट्रस्ट द्वारा भूना रोड स्थित बाबा भगीरथ चौक पर बाबा भागीरथ की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में फतेहाबाद के पूर्व विधायक दूड़ाराम, भाजपा जिला प्रधान प्रवीण जोड़ा भी मौजूद रहे। ट्रस्ट के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. रणजीत ओड ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों द्वारा बाबा भागीरथ की प्रतिमा को पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रस्ट के जिला प्रधान बंसीलाल बरोका ने की। इस अवसर पर ठंडे और पानी की छबील लगाई गई व लोगों को प्रशाद वितरित किया गया। पूर्व विधायक लक्ष्मण नापा ने कहा कि बदलते दौर में नशे का प्रचलन बढ़ा है और अधिकांश युवा वर्ग इस नशे की चपेट में हैं। इस अवसर पर राजकुमार सूरा, पूर्व सरपंच मनोहर लाल हरिया, गोबिन्द मास्टर, मनोहर लाल बीका, शीतल दास चाचिया, विजय जेई, टेकचन्द नम्बरदार, प्रिंसीपल रामनामारण, नत्थूराम चाचिया, वेद मुंडई, राधेश्याम पवार सहित अन्य मौजूद रहे।

समाधान शिविर में दी शिकायत

गोरखपुर में शमशान घाट पर अवैध कब्जे हटवाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जनता की शिकायतों का निवारण करना अधिकारियों का दायित्व है। इसलिए सभी संबंधित विभाग के अधिकारी समाधान शिविर में जो भी शिकायतें आती है, उनका तत्परता से निपटान करना सुनिश्चित करें।

यह निर्देश सोमवार को लघु सचिवालय के सभागार में एसडीएम राजेश कुमार ने समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतें सुनते हुए उपस्थित अधिकारियों को दिए। उसमाधान शिविर में गांव झलनिया निवासी गुरदयाल सिंह ने राशन कार्ड फिर से चालू करवाने, गोरखपुर में शमशान घाट पर अवैध कब्जे हटवाने की मांग, गांव हिजरावां ग्राम पंचायत ने शराब का ठेका बाहर निकलवाने, टोहाना निवासी गोबिन्द कुमार ने फैमिली आईडी में जन्म तिथि वैरिफाई करवाने बारे, गांव अहरावां निवासी कर्मजीत कौर ने मकान को बनाने के लिए अनुदान राशि दिलवाने, गांव खैराती खेड़ा निवासी राजपाल ने रास्ता चौड़ा करने बारे, गांव धारसुल कलां निवासी जगदीश ने फैमिली आईडी ठीक करवाने, फतेहाबाद निवासी बाला देवी ने मकान गिरने पर सहायता दिलवाने, फतेहाबाद निवासी मंगलसेन ने नाजायज परेशान करने, गांव शाहपुर बेगू निवासी मंजूरानी ने कम्पनशेसन राशि दिलवाने, अशोक नगर निवासी ओमप्रकाश ने बीपीएल सूची में नाम शामिल करने बारे, गांव अलिपुर भरोटा निवासी पिंकी ने परिवार वालों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करने की मांग रखी। शिविर में अन्य शिकायतें भी रखी गई।

पुलिस ने 6 गुमशुदा फोन मालिकों को सौंपे

- पुलिस अधीक्षक कार्यालय में असली मालिकों को सौंपा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद पुलिस ने तकनीकी दक्षता का परिचय देते हुए छह महंगे गुमशुदा स्मार्टफोन बरामद कर उनके असली मालिकों को सौंप दिए। यह कार्य पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के मार्गदर्शन और साइबर शाखा की तत्परता के परिणामस्वरूप सफल हुआ। साइबर सेल प्रभारी इंस्पेक्टर सतीश के नेतृत्व में टीम ने मोबाइल ट्रेसिंग के लिए आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करते हुए विभिन्न स्थानों से कुल 6 लाखों रुपये मूल्य के स्मार्टफोन बरामद किए। शिकायतकर्ताओं द्वारा गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराने के बाद टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मोबाइल मालिकों की पहचान सुनिश्चित की और डिवाइस सही सलामत उन्हें लौटाए। फतेहाबाद पुलिस द्वारा एसपी कार्यालय में आयोजित समारोह में स्वयं एसपी सिद्धांत जैन ने मोबाइल फोन वास्तविक मालिकों को सौंपे। मोबाइल वापसी पाकर नागरिकों के चेहरों पर खुशी और संतोष झलक उठा।

फतेहाबाद। लोगों को उनके गुम हुए मोबाइल वापस लौटाते एसपी सिद्धांत जैन।

मोबाइल प्राप्त करने वाले नागरिकों में कुलदीप पुत्र पूर्ण चंद, निवासी रत्ताखेड़ा, कश्मीरा पुत्र महेंद्र, निवासी गांव जमालपुर शेखा, दीपक कुमार पुत्र रामफल निवासी टोहाना, अजय कुमार पुत्र सतीश कुमार निवासी टोहाना, सुरेश कुमार पुत्र सोहनलाल निवासी चौबारा तथा छोटू राम पुत्र विशाल सिंह, निवासी दैयड़ शामिल हैं। इन लोगों ने फतेहाबाद पुलिस के प्रयासों की सराहना की।

डबवाली में आईआईटी स्थापित करने की मांग

- आदित्य चौटाला बोले, मुख्यमंत्री के सामने उठाएंगे मामला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| डबवाली

विधायक आदित्य चौटाला ने सोमवार को पत्रकार वार्ता में जनहित में किए गए विकास कार्यों का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया। उन्होंने विशेष रूप से बिजली व्यवस्था में किए गए अभूतपूर्व सुधारों, डबवाली के जिला बनने की प्रबल संभावनाओं और शहर की अन्य मूलभूत समस्याओं के समाधान पर प्रकाश डाला। विधायक ने बताया कि डबवाली में व्याप्त अत्यधिक गर्मी और बिजली

सिरसा। पत्रकारों से बातचीत करते विधायक आदित्य चौटाला।

सप्लाई की चरमराती व्यवस्था को देखते हुए उन्होंने व्यक्तिगत रूप से बिजली आपूर्ति के दुरुस्तीकरण का बीड़ा उठाया। उन्होंने बताया कि शहर का पावर हाउस 'ब्लैक आउट' होने के कगार पर था, लेकिन उनके अथक प्रयासों से अब स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। विधायक बनने के बाद उन्होंने सर्वप्रथम बिजली व्यवस्था में सुधार को प्राथमिकता दी। उन्होंने बताया कि पावर हाउस के दो फीडरों को दो हिस्सों में बांटा गया ताकि वे ओवरलोड न हों। 12.5 एमवीए की अत्यावश्यक डिमांड को पूरा करने के लिए उन्होंने विद्युत मंत्री और विभाग के अधिकारियों से मुलाकात की और विधानसभा में भी यह मांग उठाई। उनके प्रयासों के परिणामस्वरूप, 12.5 एमवीए का एक नया ट्रांसफार्मर पावर हाउस में स्थापित हो चुका है। सिरसा जिले में बनने वाली प्रस्तावित आईआईटी को डबवाली में स्थापित करने के सवाल पर विधायक ने कहा कि वह मुख्यमंत्री से मिलकर आग्रह करेंगे कि इस प्रतिष्ठित संस्थान को सिरसा की बजाय डबवाली क्षेत्र में बनाया जाए।

जिला पुलिस की नशामुक्ति टीम पहुंची टोहाना, सात पीड़ितों को मिला उपचार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| टोहाना

एसपी सिद्धांत जैन के निर्देशानुसार जिले में चलाए जा रहे अपराध मुक्त अभियान के अंतर्गत एएसआई सुंदर मुसाफिर के नेतृत्व में नशा मुक्ति टीम द्वारा टोहाना के वार्ड नंबर 5 में जागरूकता नुक्कड़ सभा और कोचिंग सेंटर में सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जनजागरूकता बढ़ाना, नशे के खिलाफ समुदाय को एकजुट करना और युवाओं को सही मार्गदर्शन प्रदान करना था। कार्यक्रम के दौरान नशे के दुष्परिणाम,

टोहाना। लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक करते नशामुक्ति टीम के पुलिस कर्मचारी।

पारिवारिक और सामाजिक प्रभाव, स्वास्थ्य पर पडऩे वाले कुप्रभाव और नशा छोडऩे के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान टीम ने सात नशा पीड़ितों की पहचान कर उनकी काउंसलिंग की और उन्हें निःशुल्क होम्योपैथिक और आयुर्वेदिक औषधियों की सुविधा उपलब्ध करवाई। परिजनों को भी समझाया गया।

डीएमसी ने रतिया शहर में सफाई व्यवस्था का किया औचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

जिला नगर आयुक्त संजय बिश्नोई ने सोमवार को रतिया शहर में कई स्थानों पर सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया और उसकी रिपोर्ट बनाकर निकाय विभाग के उच्च अधिकारियों के पास भेज दी। इसके बाद जिला नगर आयुक्त ने नगर पालिका कार्यालय का भी औचक निरिक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों का हाजिरी रिकॉर्ड चेक किया और

रतिया। कर्मचारियों को निर्देश देते हुए जिला नगर आयुक्त संजय बिश्नोई।

दस्तावेज भी चेक किया।मिली जानकारी के अनुसार जिला नगर आयुक्त संजय बिश्नोई को काफी दिनों से शहर वासियों की तरफ से शिकायतें मिल रही थी कि रतिया शहर में सफाई व्यवस्था खस्ता हालत हो चुकी है और रतिया शहर के कई वार्ड व मोहल्ले में कई कई दिनों से कचरा नहीं उठाया जाता और हर चौक चौराहे पर कचरे के ढेर लगे रहते हैं।

डीएमसी के दौरे की सूचना नगर पालिका अधिकारियों को भी पूर्व में नहीं थी और जब जिला नगर आयुक्त शहर में पहुंच गए तो नगर पालिका के अधिकारी भी वहां पर पहुंचे।

डेरा प्रेमियों ने मिट्टी, मटकों व सरकंडों की सहायता से बनाया

ओढ़ां में पक्षियों के लिए तैयार किया अनोखा रेन बसेरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ओढां

ओढ़ा में नुहियांवाली रोड पर सडक़ किनारे पक्षियों के लिए एक ऐसा नमूना तैयार किया है जिसे देखकर हर कोई यह पूछने को विवश हो जाता है कि आखिर यह चीज क्या है। जवाब सुनकर हर किसी के मुंह से यही शब्द निकलते है कि वाह क्या बात है। यह रेन बसेरा लोगों के लिए चर्चा का विषय बन रहा है बल्कि पक्षियों को बचाने का एक

ओढ़ा में पक्षियों के लिए बनाया गया रेन बसेरा।

बड़ा प्रयास भी है। गांव ओढ़ा के डेरा प्रेमियों ने मिट्टी, मटकों व सरकंडों की सहायता से पक्षियों के लिए जमीन से करीब 12 फुट ऊंचा टावरनुमा रेन बसेरा तैयार किया है। मिट्टी से निर्मित होने व मटकों के माध्यम से हवा की क्रॉसिंग होने के चलते पक्षियों को राहत मिलेगी।

12 फुट ऊंचा व 7 फुट चौड़ा है रेन बसेरा

पक्षियों के लिए बनाया गया यह रेन बसेरा 12 फुट ऊंचा व 7 फुट चौड़ा है। इसमें 125 खाली मटके लगाए गए हैं। हवा क्रॉसिंग के लिए पर्याप्त व्यवस्था होने के साथ-साथ इसकी तालाब की मिट्टी से पुताई की गई है। यही कारण है कि गर्मियों में पक्षियों के लिए यह ठंडा रहेगा। बरसात के दौरान भी पक्षियों को कोई दिक्कत न आए इसके लिए भी व्यापक व्यवस्था की गई है। रेन बसेरे की ऊपरी सतह पर सरकंडों व सूखी घास की सहायता से गुमटनुमा छत लगाई गई है। हालांकि ये रेन बसेरा करीब 150 पक्षियों के लिए बना है, लेकिन इससे काफी अधिक पक्षी यहां रह सकते हैं। इस जगह पर साध संगत द्वारा पौधारोपण करने के साथ-साथ पानी के सकोरे व चोगे के लिए भी जगह बनाई है।